दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 162
मुरादाबाद
(Friday)
02 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सरकार माई-बाप नहीं : यूपीएससी शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने बताया- किस आधार पर हों सिविल सेवा में भर्तियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यूपीएससी के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने इस संस्था की जमकर तारीफ की और कहा कि पीढ़ियां बदलने के बावजूद इस संस्था पर लोगों का भरोसा कायम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को यूपीएससी (यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन) के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि ये यूपीएससी के 100 साल का जश्न ही नहीं है बल्कि ये इसकी विरासत का जश्न है। यह उन लाखों युवाओं की आकांक्षाओं का भी उत्सव है, जो हर साल अपना सपना साकार करने की कोशिश करते हैं।

पीएम मोदी ने संबोधन में क्या कहा?-प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा, 100 साल की इस यात्रा में पीढ़ियां बदलीं, सरकारी जगहें, तकनीक और सिलेबस बदले, लेकिन यूपीएससी पर आज भी भरोसा कायम है। ये आप सभी की बहुत बड़ी पूंजी है। मैं 100 वर्ष की इस यात्रा से जुड़े सभी महानुभावों का वंदन करता हूं, आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। यूपीएससी के 100 साल के उत्सव के दौरान एक स्मारकीय डाक टिकट भी जारी किया गया। पीएम मोदी ने कहा, जब मैं यहां गैलरी देख रहा था तो 1920 में नेताजी सुभाषचंद बोस भी इसी प्रक्रिया से गुजरे थे, उनकी सारी जानकारी यहां है। मेरा इस बात पर ध्यान गया कि उस समय अंग्रेजों की हुकूमत थी, लेकिन संस्कृत का पेपर होता था और सुभाष बाबू ने संस्कृत में पेपर लिखा था। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को किया याद- पीएम मोदी ने अपने संबोधन में सरदार वल्लभ भाई पटेल को भी याद किया और कहा कि आजादी के बाद उनके सामने केवल एक देश को आजाद रखने की चुनौती नहीं थी बल्कि उनके सामने एक देश को चलाने की भी चुनौती थी। राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए, जिस स्किल ढांचे की जरूरत थी, वो सरदार वल्लभ भाई पटेल ने दिया। उन्होंने इस संस्था को आजाद भारत का एक प्रमुख स्तंभ बनाया, इसे सशक्त किया। पीएम मोदी ने सलेक्शन को लेकर दिया सुझाव-पीएम मोदी ने कहा, आज जिन युवाओं की भर्ती हो रही है, वो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे और वही विकसित भारत के सबसे बड़े लाभार्थी भी होने वाले हैं। इसलिए हमें दो कसौटियों को हमेशा याद रखना है। एक - देश पहले और दूसरी- नागरिक पहले। यही दो कसौटियां हैं, जिन पर हर सलेक्शन को कसा जाना है। उन्होंने कहा, हमें ऐसे युवाओं को पब्लिक सर्विस में लाना होगा, जो पब्लिक ऑफिस से नहीं, पब्लिक सर्विस से आकर्षित हों। इसलिए जरूरी है कि भर्ती परीक्षा सिर्फ ये न परखे कि उम्मीदवार कितना जानता है, बल्कि वो यह भी दखे कि वे युवा सिविल सेवा में क्यों आना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने कहा हमने अतीत का वो दौर देखा है, जब माना जाता था कि सरकार ही माई-बाप है, लेकिन आज ये दौर है, जिसमें हमारा मंत्र है- नागरिक देवो भव। हमारे लिए नागरिक की सेवा सर्वोपरि है। आज 21वीं सदी का भारत, एक नई कार्य-संस्कृति के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें ऐसे प्रोफेशनल चाहिए, जो गरीब लोगों की दिक्कतों को समझें और देश की जरूरतों को समझेंस्मित मच्छार की बहादुरी को सराहा

पीएम मोदी ने फ्लायदुबई के विमान में हुई चाकूबाजी और विमान को हाईजैक करने की साजिश पर भी बात की। पीएम मोदी ने 180 लोगों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छार की तारीफ की और कहा उनके पराक्रम ने देश को गौरव से भर दिया है। प्रधानमंत्री ने ये भी बताया कि उन्होंने पायलट के माता-पिता और पत्नी से भी बात की है।

क्या उन पर दबाव डाला गया था?: राहुल गांधी ने फॉर्म-6 को लेकर उठाए सवाल, पूछा- किसने ये आदेश दिया?

फॉर्म-6 को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत अब आवेदकों को अपना नाम फिर से वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए 2003 की मतदाता सूची में अपने माता-पिता के नाम होने की जानकारी नहीं देनी होगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फॉर्म-6 को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पूछा है कि फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर आदेश किसने दिया? सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा है कि फॉर्म-6 में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया। चुनाव आयोग के आयुक्तों ने भी इस पर आपत्ति जताई है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा?- राहुल गांधी ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को लेकर भी सवाल उठाया। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा, चुनाव आयोग में किसने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को यह बदलाव करने का आदेश दिया? टीसीएस में किसने इस पर हस्ताक्षर किए? क्या ऐसा करने के लिए टीसीएस पर दबाव डाला गया था?कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने दावा किया कि फॉर्म-6 में यह बदलाव पीएम-एचएम की जोड़ी द्वारा कराया गया था। राहुल गांधी की पोस्ट को टैग करते हुए रमेश ने कहा, फॉर्म-6 में बदलाव जुलाई 2026 के मध्य में मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा असंवैधानिक तरीके से किए गए, ताकि जेन-जी के मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाया जा सके। साफ तौर पर यह कदम पीएम-एचएम की जोड़ी द्वारा कराया गया था।राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब विपक्षी इंडिया गठबंधन ने सभी जिलों में लोकतंत्र बचाओ मार्च शुरू करने का फैसला किया है। विपक्ष की मांग है कि भविष्य में बैलेट पेपर से चुनाव हों। साथ ही सुप्रीम कोर्ट से भी विपक्ष ने अपील की है कि एसआईआर से जुड़े मामलों पर जल्द सुनवाई करे। चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 में किया बड़ा बदलाव-गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया पूरी कर चुके राज्यों में फॉर्म-6 में बड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत अब एसआईआर में नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी। अब आवेदक को ये बताने की जरूरत नहीं होगी कि उसके माता-पिता, दादा-दादी का नाम 2003 की लिस्ट में था या नहीं। बुधवार को जारी चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है जहां मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है , वहां चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 से जुड़ी घोषणा को वापस ले लिया गया है। इसका मतलब है कि अब जिन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया होनी है, उनमें आवेदकों को सिर्फ नियमित फॉर्म-6 जमा करना होगा। यह पूरा विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की उस रिपोर्ट के कुछ दिन बाद शुरू हुआ, जिसमें कहा गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार रिकॉर्ड पर आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों आयुक्तों का कहना था कि ये फैसले उनकी जानकारी या सिफारिश के बिना जारी किए गए थे। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपने ही दो आयुक्तों द्वारा उठाए गए सवालों के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग मत और टिप्पणियां होना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग ने कहा कि उसके सभी आदेशों को पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त है और वे स्थापित वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप लिए गए।

संक्षिप्त समाचार

थाने से सीसीटीवी फुटेज गायब मिला तो पुलिस के खिलाफ अवैध हिरासत का आरोप सच माना जाएगा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस हिरासत और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर कड़ा फैसला सुनाया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस हिरासत और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर कड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि थाने से सीसीटीवी फुटेज गायब रहता है या जानबूझकर बंद रखा जाता है और पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के बाद रिहा करने का कोई पुख्ता दस्तावेज या सबूत पेश नहीं कर पाती है तो अदालत याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए अवैध हिरासत के आरोपों को ही सच और अंतिम मानकर आदेश जारी करेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने दिया है। देवरिया निवासी महेंद्र गौर और तीन अन्य याचियों ने गौरी बाजार थाने में पुलिस की ओर से गैर-कानूनी तरीके से बंद रखने के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचियों का आरोप था कि पुलिस ने उन्हें बिना किसी एफआईआर, गिरफ्तारी या मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा। खराब होने और मैकेनिक से ठीक कराने की बात कही, लेकिन जनरल डायरी में इसका कोई उल्लेख नहीं था और न ही कोई तकनीकी रिपोर्ट पेश की गई।हाईकोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के परमवीर सिंह सैनी मामले का हवाला दिया।

सीएम योगी ने पुलिसकर्मियों का किया सम्मान, बोले- 2017 के पहले हर जिले में दंगे होते थे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया और 87 अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इंटरसेप्टर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को पदक देकर सम्मानित किया और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित 87 इंटरसेप्टर वाहनों का फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश का पहला कीर्ति चक्र हासिल करने वाले पुलिसकर्मी शहीद सुनील सिंह के परिजनों को सम्मानित कर बधाई दी। सीएम योगी ने पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक संघर्ष को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे कोई भी व्यक्ति भले ही कितने बड़े पद पर हो पर बिना सुरक्षा के वो निश्चिंत नहीं रह सकता है। यूपी पुलिस ने प्रदेश की जनता को सुरक्षा का एहसास कराया है। यह पहली बार है जब यूपी पुलिस के जवान को कीर्तिचक्र से सम्मानित किया गया है।उन्होंने कहा कि प्रदेश ने एक वो दौर भी देखा है जब सूर्यास्त होने के बाद तराई क्षेत्रों में लोगों को बाहर निकलने में मुश्किल होती थी पर अब ऐसा नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का चेहरा बदला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में कोई जिला ऐसा नहीं था जहां दंगे न हुए हों। मुजफ्फरनगर दंगा छह महीने चला था। जिलों में माफिया समानांतर सरकार चला रहे थे। यही कारण था कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आर्थिक रूप से सबसे पीछे चला गया था पर अब यूपी और यूपी वालों की पहचान बदली है। उन्होंने कहा कि माफियाओं ओर गुंडों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति आगे भी जारी रहेगी।

आसाराम को हाईकोर्ट से झटकाः बीमार पत्नी से मिलने के लिए मांगी थी अंतरिम जमानत, कोर्ट ने किया इनकार

गुजरात हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को 20 दिन की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। आसाराम ने अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रही अपनी 83 वर्षीय पत्नी से मिलने के लिए जमानत मांगी थी। जस्टिस गीता गोपी और जस्टिस एलएस पीरजादा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। आसाराम फिलहाल राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है। अदालत ने कहा कि अगर आसाराम अपनी पत्नी से बात करना चाहते हैं तो वह जेल अधीक्षक से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत की अनुमति देने का अनुरोध कर सकते हैं। आसाराम ने पत्नी की गंभीर बीमारी का हवाला देते हुए मानवीय आधार पर जमानत मांगी थी। उनकी पत्नी का अहमदाबाद के नरोदा स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अदालत ने कहा कि डॉक्टरों और स्थानीय पुलिस की ओर से पेश रिपोर्ट के मुताबिक मरीज ने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।अदालत ने अपने आदेश में कहा, हमें फिलहाल जोधपुर जेल में बंद याचिकाकर्ता की अर्जी मंजूर करने का कोई कारण नहीं दिखता। हालांकि, अगर याचिकाकर्ता अपनी पत्नी से बात करना चाहता है, तो वह जेल अधीक्षक से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत की अनुमति देने का अनुरोध कर सकता है।

ट्रंप से मोदी की बातचीत पर कांग्रेस ने उठाए सवालः पूछा- भारतीयों के वीजा और रूस के तेल पर क्या हुआ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण तकनीकों पर बातचीत हुई। दोनों ने रणनीतिक साझेदारी आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। इसके बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रूस से तेल खरीद, ईरान से आर्थिक संबंध, भारतीयों के वीजा और पाकिस्तान को लेकर तीन बड़े सवाल उठाए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बुधवार को फोन पर बातचीत हुई। मोदी ने इसे उपयोगी बातचीत बताते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण तकनीकों और दूसरे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों ने भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के साथ वैश्विक शांति और सुरक्षा के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की बातचीत के विवरण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों से जुड़े कुछ अहम मुद्दों पर प्रधानमंत्री के बयान में जानकारी नहीं दी गई। रमेश ने सवाल किया कि क्या मोदी ने अमेरिका की ओर से रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत को निशाना बनाए जाने और ईरान के साथ भारत के आर्थिक संबंधों पर अपनी चिंताएं ट्रंप के सामने रखीं। उन्होंने इसे उन मुद्दों में शामिल बताया, जिन्हें लेकर भारत में सवाल उठ रहे हैं।जयराम रमेश ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री ने रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका की कार्रवाई पर भारत की चिंता ट्रंप के सामने रखी। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या ईरान के साथ भारत के आर्थिक संबंधों को लेकर अमेरिका की नीति का मुद्दा बातचीत में उठाया गया। यह सवाल ऐसे समय में आया है जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और रणनीतिक सहयोग पर बातचीत जारी है। मोदी और ट्रंप की बातचीत में व्यापार, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल रहे, लेकिन कांग्रेस ने पूछा कि भारत की इन विशेष चिंताओं पर क्या चर्चा हुई।कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से दूसरा सवाल अमेरिकी वीजा नीति को लेकर किया। उन्होंने पूछा कि क्या मोदी ने अमेरिका की ओर से भारतीय पेशेवरों और छात्रों को वीजा से जुड़े मामलों में निशाना बनाए जाने को लेकर भारत की चिंताएं ट्रंप के सामने रखीं।

संपादकीय Editorial

We are champions, yet laggards too.

Today, let's talk about sports. We take a look at India's athletic strengths and talents. The Asian Games are underway in Japan. As of Sunday, India has won a total of 39 medals, including four gold, 17 silver, and 18 bronze medals. Medals in cricket, hockey, archery, and boxing are still awaited, but we are confident of winning medals. The men's and women's kabaddi teams have achieved a golden achievement by defeating their traditional rivals, Iran. This is a sport of India's soil and rural areas, of which we are eternal champions. The men's team has established its golden supremacy in kabaddi for the ninth time, and the women's team for the fourth time. Heartfelt congratulations to the sons and daughters of the nation! India has been the world champion in cricket. In Japan, our girls also defeated the Sri Lankan team in a one-sided match, marking the beginning of their gold medal winning streak in the Asian Games. Mirabai Chanu, a world and Olympic medalist, is the only weightlifter who hasn't won an Asian Games medal. She won a silver medal in the 49 kg weight category. This achievement came after 28 long years. Karnam Malleswari also won a silver medal in 1998, but after that, weightlifting victories eluded us. Chanu finally filled that void. Similarly, India won Asian silver medals in the marathon and high jump after 44 and 56 long years, respectively. In non-traditional sports like squash, our youngsters Abhay Singh and Anahat Singh have also enriched India's achievements by winning silver medals. Anahat became the first Indian to win such medals. On Sunday, the eighth day of the competition, Indian athletes won seven medals, four of which were silver. Following the achievements of Sarvesh Kushare in the high jump, record-holder Sawan Barwal in the marathon, and Ancy Sojan in the long jump, we can say that such athletes are our "national heroes." India also won a gold medal in mixed shooting. India has players like Tejaswin Shankar, Parul Chaudhary, Ankush Panghal, Narinder Berwal, and Parveen Hooda, all of whom have already won and secured medals. However, India is happy and proud of its successes and achievements at the Asian Games, but also dissatisfied with some questions. Indeed, countries like China, Japan, and South Korea are far ahead of us at the international and Olympic levels. They have always been "victorious" compared to us, but now countries like Uzbekistan, Kazakhstan, Thailand, Bahrain, Iran, and North Korea have also won more gold medals than India and are ahead of us in the medal table. India ranks 12th in Asia. In the Olympics, we yearn for a few gold medals. Bhim Singh last won a bronze medal in 1970, clearing a 2.05-meter high jump. Now, in 2026, Sarvesh Kushare has jumped 2.25 meters and won a silver medal. Why is there such a gap? Hasn't this sport produced a successful, medal-winning athlete in 56 years? Teenage athletes from China, Japan, and Korea are setting world records. By and large, they aren't robots. In badminton, PV Sindhu's performance is beginning to fade, but the performance of her replacements, Tanvi Sharma and Unnati Hooda, is "uncertain." The 2026-27 sports budget is ?4479.88 crore, the highest ever. A historic decision has been made to spend a total of ?36,441 crore (approximately $3.6 billion) to support the five-year (2026-31) Khelo India program and to fund various sports federations' programs. The goal is to have India among the top 10 nations in the 2036 Olympic Games and among the top 5 nations in 2048. We don't believe this will be possible, as Indian athletes have physical and mental limitations that make their athletic abilities less accessible to athletes from leading.

Care for Historical Heritage: Why are Jaipur State properties being searched for 79 years after independence?

If the historical significance of an old building, dharamshala, ghat, or complex is proven, the government, local bodies, current owners, and related organizations can work together to find a way to preserve it. Taking over every historical property is not the only way to preserve it. After more than seven decades, the records of some old properties associated with the Jaipur State are again in the news. The Rajasthan government has requested the Uttar Pradesh government to investigate the records of such properties located in Agra, Prayagraj, Varanasi, and Mathura. Old revenue records, registries, and other documents are now being scrutinized in various districts of Uttar Pradesh.

In Varanasi, 44 such properties are being investigated. Following Rajasthan's claim, a large number of property records have been investigated in Prayagraj. This entire process is still in the investigation stage. Therefore, it would be premature to say that the Rajasthan government has established ownership of all these properties. The final decision will be based on the old documents and existing law. Nevertheless, this initiative is important because the issue isn't just about a few properties belonging to the Jaipur State. Princely properties don't fall into a single category—at the time of independence, hundreds of princely states merged with India. Dharamshalas, ghats, temples, and buildings belonging to various princely states existed in major religious and cultural cities across the country. Confusion or disputes about the current status and ownership of many of these properties persist even today.

The need is to approach these matters through the lens of documentation rather than emotions. Indeed, at the time of the princely states' merger with India, not all their properties were categorized as belonging to the state. A distinction was made between state property and the rulers' personal property. Therefore, the fact that a property once belonged to the Jaipur State does not in itself prove that it belongs to the Rajasthan government today. It is important to examine the legal status of that property at the time of merger and what changes have occurred since.

Property documentation is essential—the same applies to claims by royal families. If a property was registered as the ruler's personal property at the time, who inherited it, was it sold, given to a trust, or transferred in some other way? The answers to all these questions will be found in the documents.If a property originally belonged to the state and later passed to an individual or organization without legitimate authority, that should also be investigated. However, in a decades-old case, the rights of the current occupant or record holder cannot be ignored. If a property has been used differently for decades or if old government orders, registries, or court decisions exist in relation to it, a thorough investigation is also necessary.

Questions raised about properties - Jaipur House in Agra is an example of this complexity. The Rajasthan government has questioned properties related to this area, while documents of old transactions and registries have also emerged in local records. Therefore, it is important to determine who owned the property at the time, whether the seller had the authority to sell it, and what subsequent changes occurred in government records. The complete link between history and current law must be examined.

Who is the heir to royal properties? - The question of succession is also important in the case of royal properties. In some princely states, there was a tradition of considering the eldest son as the heir, but this cannot be applied uniformly to every royal family and every property. Courts have also given their decisions in individual cases based on the relevant documents, agreements, and circumstances. The abolition of the Privy Purse in 1971 did not mean that all the personal property of former kings became the property of the government. The Privy Purse and property ownership were two separate legal issues. Therefore, the facts regarding this period need to be carefully understood.

Illegal Occupant Not Owner - The question of illegal occupation is similarly sensitive. Prolonged possession of a property does not automatically make the occupant its owner. On the other hand, decades-old possession and government or private transactions during that period cannot be dismissed solely on the basis of a single old record. In such cases, the Limitation Act, adverse possession, old documents, and court decisions all become important. Therefore, the best approach to this entire process is a comprehensive documentary investigation. Then, old merger agreements, private property lists, land records, municipal records, registries, mutation entries, old maps, and court decisions should be examined together. If necessary, old maps can also be compared with current GIS records to determine the location and land records of the property of that time. However, the purpose of this process should not be solely to determine land ownership. It is equally important to preserve the historical heritage associated with it.

It is not right to take over every historical property under government control. If the historical significance of an old building, dharamshala, ghat, or complex is proven, the government, local bodies, current owners, and related organizations can work together to find a way to preserve it. Taking over every historical property under government control is the only way to preserve it. This is not the only way forward. In many cases, public-private partnerships, trusts, or other heritage conservation mechanisms could also work. It's also worth considering whether the central and state governments should create a digital record of important properties associated with the country's former princely states. This would reveal who owned which property at what time, its current status, and whether any disputes are ongoing. Such a system would not only help resolve past disputes but also be useful in preserving historical properties in the future.

An opportunity to investigate many historical properties after 79 years - This investigation into the properties of the Jaipur princely state is important because it may uncover many old records, but its conclusion should not be predetermined. It would be unfair to assume neither that every claim made by the Rajasthan government is correct nor that the current situation cannot be challenged because of the existence of old records. The right path is a middle ground: documents should be made available, all parties should be heard, old and current records should be reconciled, and a decision should be made in accordance with the law.

Seventy-nine years after independence, we have the opportunity to examine these historical assets. Instead of limiting it solely to property disputes, we should also integrate this with heritage conservation. After all, these buildings and sites are not just pieces of land. They hold many layers of India's political integration, religious pilgrimages, and cultural history. While the law will determine ownership, preserving historical heritage is the responsibility of both society and the government. This should be the ultimate and overarching objective of this entire exercise.

Rivers gasping in the race for development: Ganga and Yamuna deserve the status of living beings! Such legal innovations must be strictly implemented.

This Sunday is World River Day, but will merely celebrating the day be the answer to the blind pursuit of development? Rivers are not just flowing streams; they are the heartbeat of any civilization, the mother of culture, and the lifeblood of future generations. The world's greatest civilizations have flourished in the lap of rivers. Egyptian civilization was born on the banks of the Nile River, Mesopotamia was shaped by the Tigris and Euphrates, and India's rich Vedic and Sanatan culture was nourished by sacred rivers like the Indus, Ganga, Yamuna, Saraswati, and Kaveri. World River Day is celebrated every year on the fourth Sunday of September. This day reminds us that the rivers that gave us life are now breathing their last.Since ancient times, rivers in India have been given the status of "mother." The Rigveda's "River Sukta" is a vivid testimony to this. In the Rigveda, the Saraswati River was revered as "Ambitame Naditame Devitame Saraswati." The fertile alluvial soil carried by the river made food production possible. The river's uninterrupted flow has always inspired humanity to keep moving forward, overcoming every obstacle. However, today's blind pursuit of development has caused the greatest harm to rivers. Himalayan glaciers are rapidly melting due to global warming and climate change. The river crisis directly impacts the biodiversity crisis. While the situation is alarming, there is still hope.Many successful experiments have been conducted worldwide to revive rivers, from which we can learn. In the 1950s, Britain's River Thames was declared biologically dead. However, thanks to strict laws, improved sewage treatment plants, and public participation, the Thames is so clean today that over 125 species of fish, dolphins, and seals can be seen. Similarly, under the Rhine Action Program, European countries have jointly freed the Rhine River from industrial waste and restored its natural state. In India, initiatives like the Namami Gange Mission are being implemented to maintain the cleanliness and uninterrupted flow of the Ganges River, including the construction of STPs, beautification of ghats, and afforestation. Movement in Karnataka are examples of this, where efforts are being made to increase soil moisture and river water levels by planting millions of trees in the catchment area. In Rajasthan's Alwar district, the Tarun Bharat Sangh, led by India's Waterman Dr. Rajendra Singh, revived dry rivers like the Arvari and Ruparel by building traditional johads. To save rivers, mere speeches and celebrating days will no longer suffice.

प्रिया घंघास: लोग कहते थे लड़की है, बॉक्सर नहीं बन पाएगी..., एशियाई खेल में पदक ले आई; बढ़ाया देश का मान

एशियन गेम्स में प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में तजाकिस्तान की मिजगोना समादोवा को 5-0 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई और भारत का पदक पक्का कर दिया।कभी लोगों ने कहा था कि लड़की है, बॉक्सिंग जैसे खेल में क्या कर पाएगी। पंच पड़ेंगे तो चेहरा खराब हो जाएगा। कोई शादी भी नहीं करेगा। लेकिन इन बातों पर घर वालों ने कोई ध्यान नहीं दिया और बेटी के सपने पर भरोसा किया। हर चुनौती के बीच रिंग में उतरती रहीं प्रिया घंघास। अब वही प्रिया एशियन गेम्स में भारत के लिए कांस्य पदक जीतकर लौटी हैं। मुरादाबाद मंडल में सीसीटीसी के पद पर कार्यरत प्रिया ने महिला 60 किलोग्राम

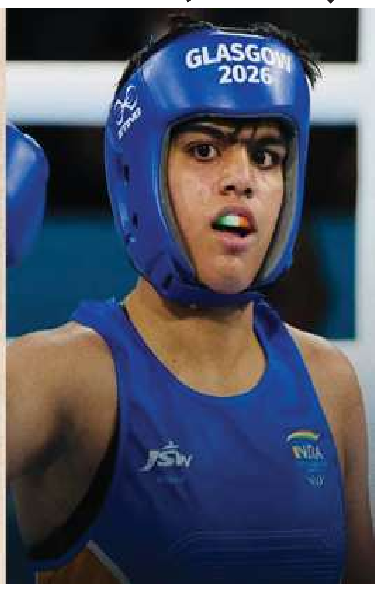

भार वर्ग में सेमीफाइनल तक पहुंचकर देश के लिए पदक पक्का किया।परिवार के लिए यह सिर्फ पदक नहीं, उन तमाम सवालों का जवाब भी है जो कभी उनकी बेटी के सपने पर उठे थे। प्रिया के पिता महेंद्र घंघास बताते हैं कि बेटी इस सपने को पूरा करने के लिए बॉक्सिंग रिंग में रात-रात भर जागी है। उसने खेतों में दौड़ और बॉक्सिंग का कड़ा अभ्यास किया है। प्रिया को बचपन से ही खेलों का शौक था। वर्ष 2015 में उन्होंने बॉक्सिंग सीखने की इच्छा जताई तो परिवार ने उसे रोकने के बजाय पूरा साथ दिया। शुरुआत में आसपास के लोगों के ताने भी सुनने को मिले। लेकिन प्रिया ने अपनी मेहनत से जवाब देने का रास्ता चुना। अभ्यास, फिटनेस और खानपान में अनुशासन को जिंदगी का हिस्सा बना लिया। यही वजह है कि पिछले करीब ढाई साल से उन्होंने मिठाई तक को हाथ नहीं लगाया।एशियन गेम्स में प्रिया ने क्वार्टर फाइनल में तजाकिस्तान की मिजगोना समादोवा को 5-0 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई और भारत का पदक पक्का कर दिया। अंतिम चार के मुकाबले में उनका सामना चीन की पूर्व विश्व चैंपियन यांग चेंग्यू से हुआ। कड़े मुकाबले में प्रिया 1-4 से हार गईं, लेकिन कांस्य पदक उनके नाम हो गया।

वजन बरकरार रखने के लिए ढाई साल नहीं खाई मिठाई प्रिया घंघास ने मुक्केबाजी में अपनी फिटनेस और वजन बनाए रखने के लिए पिछले करीब ढाई साल से मिठाई को हाथ तक नहीं लगाया। पिता महेंद्र घंघास के मुताबिक, बेटी ने अपने खानपान पर बेहद सख्ती कर रखी है। वजन वर्ग में बने रहने के लिए वह मीठे से पूरी तरह दूरी रखती हैं। त्योहार हो या घर में कोई खुशी का मौका, सामने मिठाई होने के बावजूद प्रिया ने अपनी डाइट से समझौता नहीं किया। पिता कहते हैं कि बेटी की इस मेहनत और अनुशासन का नतीजा अब अंतरराष्ट्रीय पदकों के रूप में सामने आ रहा है।राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण के बाद एशियन गेम्स का कांस्य भी उसी त्याग और मेहनत की मिसाल है। प्रिया की तैनाती मुरादाबाद रेलवे में करीब 10 माह पहले हुई थी। नियुक्ति के बाद से वह लगातार खेलों के लिए अभ्यास कर रही हैं।

मुरादाबाद की 80 साल पुरानी दाल-चाट का इंटरनेशनल शो में जलवा, रोजाना 30-40 हजार की बिक्री से लखनऊ-नोएडा तक से आए ऑफर

मुरादाबाद की 80 साल पुरानी दाल-चाट ने ग्रेटर नोएडा के इंटरनेशनल ट्रेड शो में धूम मचाई है, जहाँ रोजाना हजारों लोग इसका स्वाद ले रहे हैं। इसकी लोकप्रियता के चलते प्रतिदिन 30-40 हजार रुपये की बिक्री हो रही है और लखनऊ-नोएडा से स्थायी स्टॉल के प्रस्ताव भी मिले हैं।ग्रेटर नोएडा ट्रेड शो में रोज दो-तीन हजार लोग ले रहे दाल-चाट का स्वाद मुरादाबाद की पहचान अब पीतल के साथ दाल की खुशबू से भी दूर तक पहुंच रही है। ग्रेटर नोएडा में चल रहे इंटरनेशनल ट्रेड शो में शहर की करीब आठ दशक पुरानी दाल-चाट ने ऐसा स्वाद बिखेरा कि रोजाना दो से तीन हजार लोग काउंटर नंबर 30 तक पहुंच रहे हैं। कोई पहली बार चखकर लौट रहा है तो कोई परिवार और दोस्तों को साथ लेकर दोबारा पहुंच रहा है।शनिवार और रविवार को रोजाना 30 से 40 हजार रुपये की बिक्री हुई। पूरे

आयोजन में चार से पांच लाख रुपये के कारोबार की उम्मीद है। वहीं, पीतल उत्पाद के स्टालों पर वियतनाम के ग्राहक पहुंचे।उन्होंने पीतल के अलावा एल्यूमिनियम, स्टील, आयरन, मिक्स धातु से बने फर्नीचर को भी पसंद किया। इससे उम्मीद लगाई जा रही है कि यूपी ट्रेड शो से स्थानीय स्तर के अलावा विदेशी ग्राहकों द्वारा आर्डर की बौछार होगी।शहर के गुरहट्टी स्थित बालाजी मंदिर के नीचे ढाल पर असली स्वाद कैटरर्स चलाने वाले अमित कुमार की तीसरी पीढ़ी इस पारंपरिक स्वाद को आगे बढ़ा रही है।

ट्रेड शो में रोज डेढ़ कट्टा तक दाल प्रतिदिन खप रही है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नोएडा और लखनऊ के कारोबारियों ने स्थायी स्टाल के लिए सीधे प्रस्ताव दिया।

एक कड़छी दाल, चार दशक नहीं आठ दशक की कहानी अमित कुमार बताते हैं कि उनके दादा ने वर्ष 1946-47 के आसपास इस काम की शुरुआत की थी। टेलरिंग से शुरू हुआ सफर धीरे-धीरे दाल-चाट की पहचान में बदल गया।पिता के बाद अब तीसरी पीढ़ी इसकी कमान संभाल रही है। मुख्य दुकान से तैयार होने वाली दाल ने परिवार के साथ 12 लोगों के लिए रोजगार का रास्ता खोला है। टीम में पांच महिलाएं और सात पुरुष हैं।मुरादाबादी दाल की खासियत इसका स्वाद और हल्कापन बताया जाता है। इसमें धोबा मूंग दाल का इस्तेमाल किया जाता है। अमित के अनुसार, इसे पत्तल-दोने में परोसने और लकड़ी की चम्मच से खाने की पुरानी परंपरा भी इसके स्वाद को अलग पहचान देती है।सहायक आयुक्त उद्योग योगेश कुमार ने बताया कि ट्रेड शो में मुरादाबादी उत्पादों को पसंद किया गया है। वहीं, एक जनपद एक व्यंजन के तहत लगाए गए मूंग दाल के स्टाल पर लोग जायका लेने के लिए जुट रहे हैं। मंगलवार को समापन है।

उदीषा मेले से ट्रेड शो तक बढ़ा कारोबार-ओडीओसी योजना से जुड़ने के बाद अमित को स्थानीय स्तर से बाहर पहचान मिलने लगी। जनवरी में आयोजित उदीषा मेले में तीन दिन के आयोजन में खराब मौसम के बावजूद करीब डेढ़ से दो लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा होने का दावा किया गया। अब अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो में मिल रहे ग्राहकों और कारोबारियों के रुझान ने कारोबार विस्तार की उम्मीद बढ़ाई है। अमित अब दाल की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके तलाश रहे हैं, ताकि इसे दूर-दराज के ग्राहकों तक पार्सल किया जा सके। मूंग दाल से विशेष समोसा तैयार करने पर भी काम चल रहा है।

बेटी के दाखिले से कारोबार के विस्तार तक जुड़ी याद-अमित के मुताबिक, जून 2025 में बेटी वांची के स्कूल दाखिले को लेकर वह गोरखपुर में मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में पहुंचे थे। उनके अनुसार, आरटीई के तहत तीन घंटे में बेटी का दाखिला सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल में कराया गया। बाद में मुरादाबाद आगमन पर मुख्यमंत्री ने उनकी दोनों बेटियों वांची और आची को बुलाकर श्री राम वाटिका का लोकार्पण भी कराया था। अमित इसे अपने परिवार के लिए यादगार क्षण बताते हैं।

मुरादाबाद में हैवानियत: भाई के सामने से युवती को किया अगवा, 24 घंटे बंधक बनाकर दो दोस्तों ने की दरिंदगी

मुरादाबाद के डिलारी में नवमी के मेले से भाई के सामने स्ष्ट युवती का अपहरण कर दो युवकों ने 24 घंटे बंधक बनाकर गैंगरेप किया। पीड़िता को धमकी देकर घर के पास छोड़ आरोपी पंकज और योगेश फरार हो गए। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म व स्ष्ट/स्ञ्ज एक्ट में स्नढ्ढक्र दर्ज कर जांच शुरू की।पीड़ित को 24 घंटे बंधक बनाकर कई बार किया

दुस्साहस, फिर घर के पास छोड़कर भागे घरवालों के सामने आरोपितों की दरिंदगी की कहानी बयां करते-करते बेसबुध हो गई पीड़ितडिलारी में अनुसूचित जाति की युवती को मेले में भाई के सामने से अगवा कर दो दोस्तों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपितों का दुस्साहस यही नहीं थमा। उसे बंधक बना लिया और 24 घंटे तक दरिंदगी की। फिर पीड़ित को धमकाते हुए घर के पास यह कहते हुए छोड़ा कि यदि किसी को कुछ बताया तो कही का नहीं छोड़ूंगा। मुंह दिखाने लायक भी नहीं बचेगी। जैसे-तैसे पीड़ित घर की चौखट तक पहुंची तो अपनों को देखकर फफककर रोने लगी। बिखलते हुए आरोपितों के दुस्साहस की कहानी बयां करते-करते बेसुध हो गई। अफरा-तफरी मच गई। घरवालों ने पुलिस को जानकारी दी। शिकायती पत्र पर आरोपित दो दोस्तों गांव के ही पंकज और योगेश उर्फ नन्हू के विरुद्ध अगवा करने, सामूहिक दुष्कर्म, एससी-एसटी व धमकी की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपित फरार हैं। पीड़ित के पिता के अनुसार, गांव में नवमी का मेला रविवार को तय था। मगर, रविवार को बरसात होने के चलते मेला सोमवार को लगा। बेटी बेटे के साथ सोमवार शाम करीब छह बजे मेला देखने के लिए निकली। दोनों मेला पहुंचे।बाइक से उतरकर दोनों आगे बढ़े ही थे कि इसी दौरान दोनों आरोपित पीछे से आ धमके और बेटी का रूमाल से मुंह दबाकर बाइक से अगवा कर ले गए जिससे बेटी चीख-चिल्ला भी नहीं पाई। थोड़ी देर बाद जब बेटे की नजर बहन पर पड़ी, तब वह नहीं दिखी। मेले में ही आस-पास उसने खूब ढूंढा, मगर कोई जानकारी नहीं हो सकी। इसके बाद बेटा भागते हुए घर आया। पूरी बात बताई। सभी जगह बेटी के बारे में जानकारी की गई। कोई जानकारी ना होने पर थाने पहुंचे और पुलिस को घटनाक्रम बताया। पुलिस भी जानकारी में जुट गई। 24 घंटे बाद मंगलवार को शाम को आरोपित बेटी को घर से 100 मीटर दूर छोड़कर भाग गए। तब पूरा घटनाक्रम सामने आया। पीड़ित ने पुलिस को दिये गए आरंभिक बयान में आरोपितों के दुस्साहस की पूरी कहानी बयां की है। प्राथमिकी में लिखी बातों को दोहराया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगा दी गई है। गुरुवार को पुलिस पीड़ित का मेडिकल कराकर अग्रिम कार्रवाई करेगी।

मुरादाबाद में 5 लाख लोगों को दम लगाने का शौक: हाई कोर्ट की रोक के बाद भी बार से लेकर पार्टियों तक सुलग रहा हुक्का

मुरादाबाद में पांच लाख से अधिक लोग हुक्के के शौकीन हैं, जहां प्रतिदिन 45 से अधिक डिजिटल हुक्के और 25 से ज्यादा फ्लेवर बिक रहे हैं। हाई कोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद, जिले में अवैध हुक्का बार और शराब बार में हुक्के का चलन जारी है।मुरादाबाद जिले में रोजाना बिक रहे हैं 45 से अधिक डिजिटल हुक्काहुक्का अब सिर्फ गांव की चौपाल या पारंपरिक महफिलों तक सीमित नहीं रह गया है। मुरादाबाद में यह शौक तेजी से एक बड़े बाजार का रूप ले चुका है। जिले में पांच लाख से अधिक लोग हुक्के के शौकीन हैं। शहर में प्रतिदिन 45 से अधिक ई-हुक्के बिक रहे हैं तो चिलम में सुलगाने के लिए 25 से अधिक फ्लेवर बाजार में उपलब्ध हैं। इन फ्लेवर को खरीदने प्रतिदिन 100 से अधिक लोग दुकानों तक पहुंच रहे हैं। यानी हुक्के का धुआं जितना गहरा हो रहा है, इसका कारोबार भी उतना ही फैलता जा रहा है। भले ही अब जिले में किसी के पास हुक्का बार का लाइसेंस न हो, लेकिन अवैध तरीके से साठगांठ करके जिले में दस से अधिक स्थानों पर हुक्का बार चल रहे हैं। हाई कोर्ट द्वारा प्रदेश में हुक्का बार पर लगाई गई रोक के बाद अब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शासन से निर्देश मिलने का इंतजार कर रहे हैं। गांवों की चौपालों में बुजुर्गों में हुक्का गुड़गुड़ाना कोई नई बात नहीं है। लेकिन अब हुक्का डिजिटल हो गया है।इस डिजिटल हुक्के ने शहर के लोगों के बीच पिछले कुछ वर्षों में तेजी से अपनी पकड़ बनाई है। इसलिए रेस्त्रां, रेस्टोरेंट और शादियों में डिजिटल हुक्का नजर आता है। लेकिन उन हुक्का के बीच से सामने आने वाली तस्वीर हैरान करने वाली होती है।इसका कारण युवाओं की पसंद हैं। बीते डेढ़ साल में 172 लोगों ने पार्टियों के दौरान एक दिन के लिए हुक्का बार का लाइसेंस लिया। यानी हुक्का अब केवल स्थायी ठिकानों तक सीमित नहीं, बल्कि निजी आयोजनों और पार्टियों का भी हिस्सा बन चुका है। शहर में हुक्के से जुड़े कारोबार का दायरा भी बड़ा है। प्रतिदि 45 से अधिक डिजिटल हुक्के बिक रहे है। हुक्के में इस्तेमाल होने वाले फ्लेवर की मांग भी बनी हुई है। शहर के बाजार में 25 से अधिक तरह के फ्लेवर उपलब्ध हैं। उधर मुरादाबाद के रैली मुहल्ले में स्थित हुक्का की पांच दुकानें हाई कोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई के अंदेशा के चलते बुधवार को बंद रहीं। यह हैं हुक्का के प्रमुख फ्लेवर-मुरादाबाद शहर में करीब पांच दुकानें हुक्का बेचने की है। जिन पर हुक्के की चिलम में सुलगने वाले फ्लेवर मिंट/पुदीना, मेंथाल, स्ट्राबेरी, ब्लूबेरी, रास्पबेरी, आम, तरबूज, अनार, अंगूर, सेब, आड़ू, लीची, नींबू, नींबू-मिंट फ्लेवर मिल रहे हैं। इनके अलावा, चेरी, पाइनएप्पल, नारियल, केला, आरेंज, पैशन फ्रूट, ब्लैक करंट, मिक्स बेरी, मैंगो-आइस, ब्लूबेरी-आइस, वाटरमेलन-आइस, ग्रेप-आइस फ्लेवर बाजार में बिक रहे हैं। युवा सबसे अधिक स्ट्राबेरी, रास्पबेरी जैसे फ्लेवर को पसंद कर रहे हैं। बार से पार्टी तक पहुंचा हुक्के का धुआं-शहर के कई शराब बार में हुक्का चलने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। कुछ स्थानों पर नियमों की अनदेखी कर हुक्का परोसा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा द्वारा जनगणना कार्य के सफल एवं गुणवत्तापूर्ण संपादन में उत्कृष्ट योगदान, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुकरणीय कार्यशैली एवं उत्कृष्ट सेवा-

भावना के लिए जनगणना के 02 जिला प्रभारी, 03 मास्टर ट्रेनर तथा 50 जनगणना सहायकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि इस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा जनगणना कार्य का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ करते हुए निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं शुद्धता के साथ आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित किया गया। कार्य के प्रति सजगता, अनुशासन, जनसहयोग प्राप्त करने की क्षमता तथा दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन से जनगणना अभियान की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने पर प्रशस्ति देकर सम्मान किया गया। जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्यशैली, परिश्रम एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए संबंधित कार्मिक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सतत उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, नगर आयुक्त जनगणना जिला प्रभारी, मास्टर ट्रेनर , जनगणना सहायक उपस्थित रहें।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने लगाया जागरूकता शिविर।

शासकीय योजनाओं के लाभ से अधिकाधिक पात्र लाभार्थियों को जोड़ने पर दिया गया जोर । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा विकास खण्ड मुरादाबाद परिसर में जागरूकता शिविर

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों विभागों द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंचाते हुए पात्र पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजन लाभार्थियों का अधिकाधिक समावेशन सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना के अंतर्गत 31 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 21 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के कुल 145 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें 10 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 15 व्हीलचेयर, 10 एमआर किट, 35 ट्राइसाइकिल, 10 ब्रेल किट, 20 कान की मशीन, 10 स्मार्ट केन एवं 35 बैसाखी शामिल हैं। सहायक उपकरण प्राप्त कर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य श्री गोपाल अंजान ने विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने तथा योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पारदर्शी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री आकाश पाल, ब्लॉक प्रमुख विकास खण्ड मुरादाबाद श्री मनीष सिंह, उपनिदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण श्री शरद प्रकाश श्रीवास्तव, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्रीमती तूलिका शर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री विजय कुमार यादव, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण श्री श्वेतांक पाण्डेय, सहायक निदेशक बचत श्री सिद्धार्थ सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा लाभार्थी उपस्थित रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

300 बेड अस्पताल से उठी जागरूकता की गूंज:संचारी और दस्तक अभियान, घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली । संचारी रोगों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के खात्मे के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल और मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने 300 बेड मंडलीय अस्पताल से एक विशाल जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का धमाकेदार शुभारंभ किया। अक्टूबर का पूरा महीना अब संक्रामक बीमारियों के खिलाफ युद्ध स्तर पर दर्ज होगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसारू ?01 से 31 अक्टूबरू पूरे जनपद में चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान। 12 से 31 अक्टूबरू टीम घर-घर जाकर खटखटाएगी दरवाजा, चलेगा सघन दस्तक अभियान। नगर विकास और पंचायती राज विभाग की टीमें शहर से लेकर गांवों तक नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवाओं का छिड़काव करेंगी। इस महा-अभियान में स्वास्थ्य विभाग और ICDS के साथ-साथ शिक्षा, कृषि और पशुपालन विभाग भी साझा मोर्चा संभालेंगे। शुभारंभ के मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, 300 बेड अस्पताल के अधीक्षक, WHO के एसएमओ, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी समेत मलेरिया विभाग और पीएसआई के तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

15 अक्तूबर से लागू होगा खुली मिठाइयों की बिक्री पर नया नियम , एक्सपायरी डेट लिखना होगा अनिवार्य

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। दूध, पनीर, छेना से लेकर मसालों, किराना की वस्तुओं आदि में मिलावट आम बात है। अपने मुनाफे के लिए मिलावटखोर शहर वासियों की सेहत से वर्ष भर खिलवाड़ करते रहते हैं। लेकिन खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की नींद सिर्फ त्योहारों पर ही टूटती है। छिटपुट कार्रवाई कर कर्तव्यों की इतिश्री कर ली जाती है। इससे मिलावटखोरों पर शिकंजा नहीं कस पाता। अब 15 अक्तूबर से खुली मिठाइयों पर यूज बाई डेट लिखना अनिवार्य किया गया है। पहल कितनी कारगर होगी, यह आने वाला समय और एफएसडीए के रवैये से तय होगा। बरेली में रक्षाबंधन के दौरान एफएसडीए ने 490 किलो खराब मिठाइयां और 275 किलो खराब पनीर नष्ट कराया था। कार्रवाई में बर्फी, सोहन पापड़ी और रसगुल्ला समेत कई उत्पाद शामिल थे। इसके बाद कार्रवाई थम गई। अब त्योहारों की आहट पर एक बार फिर एफएसडीए कार्रवाई के लिए कमर कस रहा है। राहुल कुमार सिंह ने बताया कि मिठाई की दुकान से ग्राहक ट्रे में लगी मिठाई खरीद लेते हैं, पर निर्माण तिथि आदि की जानकारी नहीं होती। 15 अक्तूबर से यह स्थिति बदलेगी। खुली मिठाइयों पर भी %यूज बाई डेट% प्रदर्शित करना होगा, ताकि ग्राहक देख सकें कि उस मिठाई का सेवन कब तक किया जा सकता है।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर की सूझबूझ से बदली बरेली सदर तहसील की सूरत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सदर तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर की एक अनूठी पहल ने सरकारी दफ्तरों के काम करने के ढर्रे को नई दिशा दी है। सीमित संसाधनों और महज़ 4 लाख रुपये के बजट का ऐसा सटीक इस्तेमाल किया गया कि परिसर में 10 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों जैसा असर दिखने लगा है।

बदली तस्वीर, बेहतर हुआ माहौल- तहसील के पुराने व जर्जर हिस्सों को दुरुस्त करने के साथ-साथ कोर्ट, दफ्तरों की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया।

मकसद सिर्फ रंग-रोगन तक सीमित नहीं था, बल्कि कर्मचारियों और रोजाना पहुंचने वाले सैकड़ों फरियादियों को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सकारात्मक माहौल देना था। कम बजट में तहसील का यह कायाकल्प इस बात की मिसाल है कि अगर प्रशासनिक सोच और वित्तीय प्रबंधन मजबूत हो, तो सरकारी कार्यालयों की सूरत बिना बड़े खर्च के भी बदली जा सकती है। परिसर का यह नया स्वरूप अब जनता के बीच चर्चा और तारीफ का केंद्र बना हुआ है।

बीडीए का विकास संवाद: शिक्षण संस्थानों के नक्शे और मानकों की अड़चनें अब चुटकियों में होंगी हल

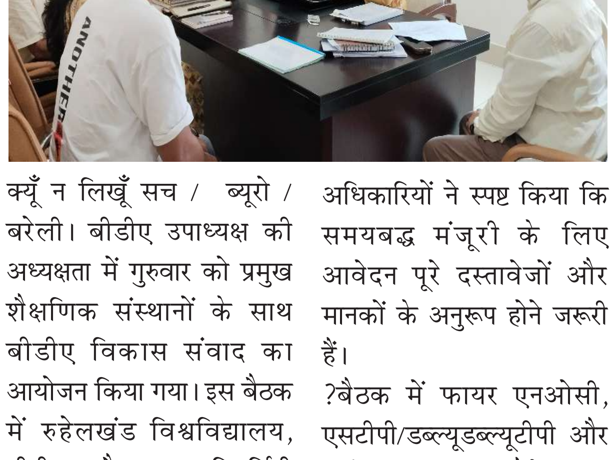

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बीडीए उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ बीडीए विकास संवाद का आयोजन किया गया। इस बैठक में रुहेलखंड विश्वविद्यालय, डीपीएस और फ्यूचर यूनिवर्सिटी समेत कई बड़े संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ?संवाद का मुख्य एजेंडा ऑनलाइन मानचित्र स्वीकृति, कंपाउंडिंग और भू-उपयोग रिपोर्ट से जुड़ी व्यावहारिक दिक्कतों को सुलझाना रहा। बीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समयबद्ध मंजूरी के लिए आवेदन पूरे दस्तावेजों और मानकों के अनुरूप होने जरूरी हैं।

?बैठक में फायर एनओसी, एसटीपी/डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी और पूर्णता प्रमाण-पत्र जैसे अहम मुद्दों पर मंथन हुआ। अंत में खुली चर्चा आयोजित कर प्रतिनिधियों के प्रकरणों को सुना गया, जहां उपाध्यक्ष ने मामलों के जल्द निस्तारण के लिए निरंतर समन्वय का भरोसा दिलाया।

साइबर सेल ने शातिर अपराधी जाबिर को किया सलाखों के पीछे

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी बैंक खातों का रैकेट चलाने वाले शातिर अपराधी जाबिर खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली के साइबर ठगों को बैंक खाते, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड उपलब्ध कराकर मोटा कमीशन वसूलता था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी जाबिर खान (निवासी बदायूं) को कैंट स्थित वीरांगना चौक से दबोचा गया । तलाशी में उसके पास से वीवो मोबाइल फोन और दो बैंक खातों का विवरण मिला। समन्वय पोर्टल पर जांच करने पर इन बैंक खातों से जुड़ी साइबर ठगी की शिकायतें दिल्ली और तमिलनाडु में दर्ज पाई गईं। मोबाइल की वॉट्सऐप चैट में भी कमीशन, पासबुक और यूपीआई से जुड़े डिजिटल सबूत मिले हैं। आरोपी पहले भी गौतमबुद्धनगर में साइबर अपराध के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने समेत तीन मांगों को लेकर प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पृथक राज्य का दर्जा देने, क्षेत्र में एम्स की स्थापना तथा इलाहाबाद हाईकोर्ट की स्थायी खंडपीठ बनाए जाने की मांग को लेकर शिवसेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश इकाई ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश कृषि, गन्ना एवं चीनी उद्योग, दुग्ध उत्पादन, व्यापार, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा सेवा क्षेत्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बरेली, बदायूं, पीलीभीत, मेरठ, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, रामपुर, अलीगढ़, आगरा और मथुरा समेत अन्य जिलों की बड़ी आबादी को देखते हुए क्षेत्र को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। ज्ञापन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एम्स की स्थापना की मांग भी की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी, शहरीकरण और औद्योगिक विकास को देखते हुए यहां उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थान की आवश्यकता है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की स्थायी खंडपीठ स्थापित करने की मांग की गई। उनका कहना है कि हाईकोर्ट तक लंबी दूरी तय करने के कारण वादकारियों और अधिवक्ताओं को समय व आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सचिव राजीव पांडेय, मंडल प्रमुख संतोष कुमार सिंह, जिला प्रमुख दीपक पाठक और कार्यकारी महानगर प्रमुख आयुष वर्मा शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा हुए मुरादाबाद में सम्मानित

बिलारी । आर.पी. विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, स्योंडारा के प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित परिसर विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चित्रगुप्त इंटर कॉलेज, मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त शिक्षा निदेशक, द्वादश मंडल मुरादाबाद शिवलाल ने उन्हें सम्मानित किया।

प्रशस्ति पत्र में विद्यालय एवं समाज में पर्यावरण जागरूकता और हरित भविष्य के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रेरणादायक बताया गया।

पूरे दिन ईडी की निगरानी में रहा पोशाकी लाल का घर, दो मोबाइल जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। चिटौली गांव में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने परचून दुकानदार पोशाकी लाल मौर्य के घर पर पूरे दिन तलाशी अभियान चलाया। टीम ने दो मोबाइल फोन और बैंकिंग से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। पोशाकी लाल का बयान भी दर्ज किया गया।

वहीं, उन्होंने गुरुवार को प्रार्थना पत्र देकर अपने नाम से फर्जी बैंक खाता खोलकर लेनदेन किए जाने का आरोप लगाया है। ईडी की टीम 30 सितंबर की सुबह 6=30 बजे पोशाकी लाल के घर पहुंची। उस समय वह घर पर नहीं थे। उनकी पत्नी भूरी ने अधिकारियों को बताया कि वह सुबह की सैर पर गए हैं। उनके लौटने के बाद अधिकारियों ने तलाशी आदेश दिखाया और सुबह करीब आठ बजे कार्रवाई शुरू की। सहायक निदेशक शरद कांत शर्मा के नेतृत्व में टीम ने घर के कमरों, हॉल और स्टोर समेत पूरे परिसर की तलाशी ली। इस दौरान एक रियलमी और एक सैमसंग मोबाइल फोन जब्त किया गया। टीम ने बंधन बैंक खाते से जुड़ी दो नकद जमा पर्चियां, पैन कार्ड की प्रति और भारतीय स्टेट बैंक के डेबिट कार्ड से संबंधित दस्तावेज भी कब्जे में लिए। जमा पर्चियां पांच अगस्त और दो सितंबर 2026 की बताई गई हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत पोशाकी लाल का बयान दर्ज किया। तलाशी की कार्रवाई दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में हुई। इनमें एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक प्रियंक सक्सेना और पंजाब नेशनल बैंक की उप प्रबंधक आकांक्षा राणा शामिल रहीं। कार्रवाई के दौरान किसी व्यक्ति या निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचने की जानकारी दी गई। तलाशी देर रात समाप्त हुई। फर्जी खाते से लेनदेन का आरोप- पोशाकी लाल ने गुरुवार को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि उनकी जानकारी के बिना उनके नाम से फर्जी बैंक खाता खोलकर लेनदेन किया गया। उनका कहना है कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि ईडी की टीम कुछ कागजात देकर गई है और किसी के पूछने पर उन्हें दिखाने को कहा है। हालांकि, कथित फर्जी खाते और लेनदेन को लेकर जांच के निष्कर्ष अभी सामने नहीं आए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जुम्बा की बीट्स पर गूंजा स्वच्छता का संदेश : बरेली में 1000 युवाओं संग अफसरों ने थामी झाड़ू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। 'स्वच्छता ही सेवा' और स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर निगम बरेली द्वारा आयोजित एक दिन, एक घंटा, एक साथ मेगा स्वच्छता अभियान में

जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में शहर के 1,000 से अधिक कॉलेज विद्यार्थियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महापौर डॉ. उमेश गौतम, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य (IAS) तथा अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय (PCS) ने युवाओं के साथ मिलकर स्वयं सफाई अभियान में श्रमदान किया। युवाओं को जोड़ने के लिए कार्यक्रम में जुम्बा और फिटनेस एक्टिविटी का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों और छात्रों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। इस दौरान एक जीवंत नुक्कड़ नाटक के जरिए चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण और सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक लगाने का कड़ा संदेश दिया गया। अभियान के अंत में महापौर ने सभी को स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की शपथ दिलाई।

हाथों का हुनर, आत्मनिर्भरता का सफर: विदुषी ने बदली अपनी तकदीर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। अगर इरादे पक्के हों, तो हालात बदलते देर नहीं लगती ऐसा ही बरेली के चांदपुर नगरीया गांव की विदुषी यादव कभी आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय भागीरथी स्वयं सहायता

समूह का दामन थामा। सरकारी फंड (CIF) की मदद मिली, तो विदुषी ने शुरू किया ब्यूटी पार्लर और हैंडीक्राफ्ट का काम। अपनी मेहनत और हुनर के दम पर आज वे हर महीने 15 से 20 हज़ार रुपये कमा रही हैं। परिवार को आर्थिक संबल देने के साथ-साथ अब वे अन्य महिलाओं को भी रोज़गार से जोड़ रही हैं। विदुषी का यह सफर साबित करता है कि सही अवसर और पक्की लगन हर महिला को आत्मनिर्भर बना सकती है।

नशे में दो भाइयों ने गर्ल्स कॉलेज के बाहर किया हंगामा, पुलिस ने पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र के मॉडल टाउन स्थित गुरु गोबिंद गर्ल्स इंटर कॉलेज के बाहर शराब के नशे में दो

युवकों ने हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें अल्कोहल की पुष्टि के बाद चालान की कार्रवाई कर दी गई है। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए दोनों युवक प्रेमनगर क्षेत्र के डीडीपुरम निवासी सगे भाई हैं। इनकी पहचान पुष्कर और पुष्पेंद्र के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों भाइयों ने शराब पीने की बात स्वीकार की। पुष्कर ने बीयर और शराब पीने के बारे में बताया। पुष्पेंद्र ने भी शराब के नशे में होने की बात बचाई। पुष्पेंद्र ने पुलिस को बताया कि स्कूल के बाहर कुछ छात्राएं खड़ी थीं। उन्हें देखकर दोनों ने स्कूल का गेट खोलने के लिए कहा। इसी दौरान वे गाली गलौज करते हुए हंगामा करने लगे। किसी व्यक्ति ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया।

रॉन्ग साइड से आ रही बाइक से भिड़ंत, होमगार्ड सहित तीन घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। नेशनल हाईवे पर ट्रांसपोर्ट के सामने गुरुवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार होमगार्ड विजेंद्र शर्मा पुत्र गंगासागर निवासी दोंद आलमपुर मीरगंज व अजीम अहमद पुत्र तौफीक अहमद निवासी शरीफ नगर, थाना ठाकुरद्वारा मुरादाबाद के साथ बाइक से मीरगंज से बरेली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से रॉन्ग साइड से आ रही बाइक पर प्रदीप पुत्र रामचंद्र, शिवम व सुमित पुत्र धर्मपाल निवासी नगरिया सादात मीरगंज से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। भिड़ंत मे तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें होमगार्ड विजेंद्र, बाइक सवार अजीम अहमद और रॉन्ग साइड से आ रही बाइक पर पीछे बैठे शिवम भी घायल हो गया। हादसे मे घायल शिवम को राजश्री अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि दो घायलों को नवोदय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना मे क्षतिग्रस्त बाइक थाने में खड़ी करा दी गई है।।

सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए संजय सक्सेना सम्मानित

◆ संजय सक्सेना को सम्मानित करते नगरपालिका परिषद बिलारी के अध्यक्ष रघु राज सिंह यादव

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । नगर पालिका परिषद बिलारी के अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक मंच के संयोजक संजय सक्सेना को सामाजिक क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने तथा नगर पालिका परिषद बिलारी की योगशाला में विभिन्न रोचक कार्यक्रमों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रघुराज सिंह यादव ने संजय सक्सेना के सामाजिक कार्यों, निष्पक्षता और ईमानदार छवि की सराहना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों का सम्मान समाज में सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करता है।कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बिलारी के मुख्य योग शिक्षक एवं सभासद निहाल सिंह लाठर भी मौजूद रहे।

हत्या के मामले में 03 माह से फरार 02 महिला आरोपी नटेरन पुलिस की गिरफ्त में

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ थाना नटेरन क्षेत्र में खेत में डली लकड़ी के विवाद को लेकर हुई मारपीट के प्रकरण में इलाज के दौरान पीड़ित की मृत्यु होने पर हत्या की धाराओं में परिवर्तित किए गए मामले में नटेरन पुलिस ने 03 माह से फरार चल रही 02 महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल विदिशा दाखिल किया गया।

प्रकरण का विवरण- दिनांक 27.06.2026 को फरियादी मान सिंह पिता काशीराम मीना, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम ढाढौन द्वारा खेत में डली लकड़ी के विवाद को लेकर मारपीट की रिपोर्ट थाना नटेरन में दर्ज कराई गई थी।

फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 162/26, धारा 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दिनांक 30.07.2026 को पीड़ित मजरूब काशीराम मीना की इलाज के दौरान मृत्यु होने पर प्रकरण में धारा 109(1), 103 बीएनएस का इजाफा किया गया। प्रकरण में आरोपी गोपाल मीना, शिवराज मीना एवं मनोहर मीना को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जा चुका है, जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बासौदा में निरुद्ध हैं। प्रकरण में शेष आरोपी आराम बाई मीना एवं बैजंतीबाई मीना घटना दिनांक से फरार चल रही थीं। पुलिस की कार्रवाई- प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी द्वारा शेष दोनों महिला आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गंजबासौदा श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन में थाना नटेरन पुलिस की टीम गठित कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई। नटेरन पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से फरार महिला आरोपियों को थाना मिसरोद, जिला भोपाल क्षेत्र से अभिरक्षा में लेकर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल विदिशा दाखिल किया गया।

मिशन संपूर्ण समाधान से शिकायतों के निस्तारण में आई तेजी, मौके पर पहुंचकर हो रहा गुणवत्तापूर्ण समाधान

माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री अनुनय झा द्वारा जनपद में मिशन संपूर्ण समाधान को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

इस पहल के तहत शिकायतों के निस्तारण को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर समस्या का स्थायी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने जनपद की प्रत्येक तहसील के उपजिलाधिकारी को प्रतिदिन 05 शिकायतों का अंतिम रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

साथ ही संवेदनशील एवं जटिल प्रकरणों में संबंधित उपजिलाधिकारी को अनिवार्य रूप से मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करने तथा दोनों पक्षों की स्थिति को समझते हुए नियमानुसार समाधान कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जनपद की विभिन्न तहसीलों में प्राप्त शिकायतों का मौके पर जाकर अंतिम रूप से निस्तारण कराया गया। तहसील कांठ के ग्राम मुंडाला में खेत की मेड़ तोड़े जाने संबंधी शिकायत पर राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार पैमाइश कराई तथा दोनों पक्षों की सहमति के आधार पर मेड़ डलवाकर प्रकरण का समाधान सुनिश्चित किया।

इसी प्रकार कासमपुर के शिकायतकर्ता द्वारा अंश निर्धारण से संबंधित शिकायत का भी राजस्व टीम ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए नियमानुसार अंतिम निस्तारण कराया। तहसील ठाकुरद्वारा के ग्राम रानी नागल में खेत में पाइप डाले जाने को लेकर उत्पन्न आपसी विवाद का भी संबंधित टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर समाधान कराया गया। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात सुनते हुए प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित किया।

तहसील सदर में ग्राम काजीपुरा में चकरोड पर अवैध कब्जे की शिकायत पर तहसीलदार द्वारा राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई तथा चकरोड को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। वहीं ग्राम गोट में अंश संशोधन से संबंधित शिकायत का भी अंतिम रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया गया। तहसील बिलारी के होली का मैदान कटघर में डबल नाम निरस्त करने एवं अंश संशोधन से संबंधित शिकायत का भी अंतिम निस्तारण कराया गया। इन सभी प्रकरणों में संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि मिशन संपूर्ण समाधान का उद्देश्य शिकायतों का केवल निस्तारण दर्ज करना नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराना है। इसी दृष्टिकोण के तहत राजस्व संबंधी मामलों के साथ-साथ जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पोषाहार वितरण तथा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का भी जमीनी स्तर पर परीक्षण कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्ध जनो का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ स्वास्थ्य, विधिक साक्षरता एवं आयुष शिविर में 180 वृद्धजनों ने लिया भाग कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र परिसर में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, विधिक साक्षरता शिविर एवं आयुष्मान शिविर आयोजित किए गए। कार्यक्रम में लगभग 180 वृद्धजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, ब्रह्माकुमारी प्रजापिता सपना दीदी, पेंशन एसोसिएशन अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी एवं वृद्धाश्रम से श्रीमती इंदिरा शर्मा ने विदिशा नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी 106 वर्षीय श्रीमती गुलाब बाई विश्वकर्मा का शतायु सम्मान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी वृद्धजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मतदाता जागरूकता के दृष्टिगत मुरादाबाद शहर स्थित पंचायत भवन सभागार में आयोजित हुआ स्वीप कार्यक्रम।

लोकतंत्र के महापर्व में मतदान प्रतिशत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए मुरादाबाद प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। शहर के पंचायत भवन सभागार में भारत निर्वाचन आयोग के %स्वीप% (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित वृहद मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह और जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पिछले चुनाव के 62 प्रतिशत मतदान के आंकड़े की समीक्षा करते हुए इसे बढ़ाकर 80 प्रतिशत से ऊपर ले जाने और शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने की विस्तृत कार्ययोजना तय की गई। कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदान के दिन को अवकाश मानकर घूमने जाने की मानसिकता को बदलना होगा। मंडलायुक्त ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है,

उसी तर्ज पर मतदान केंद्रों पर भी जेंडर टर्नआउट को मजबूत करना होगा। जिन बूथों पर पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या या मतदान प्रतिशत कम रहा है, वहां चिन्हित अभियान चलाए जाएं। घरेलू व्यस्तताओं या सामाजिक कारणों से कोई भी महिला मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए विशेष जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

मतदान केंद्रों पर वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत मण्डलायुक्त ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर पक्की सड़क, सुगम रैम्प और आवागमन की मुकम्मल व्यवस्था कराई जाती है।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने युवाओं, विशेषकर 18 से 19 वर्ष के नए मतदाताओं को लोकतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ने पर बल दिया। डीएम ने कहा कि यदि प्रत्येक जागरूक नागरिक अपने परिवार सहित आस-पड़ोस के 5 से 10 मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करे, तो शहरी उदासीनता को आसानी से तोड़ा जा सकता है। उन्होंने फॉर्म-6 के माध्यम से छूटे हुए सभी युवाओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने पर जोर दिया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पंचायत भवन परिसर को मतदाता जागरूकता से संबंधित आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया। तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय (टीएमयू) के छात्र-छात्राओं ने ओजस्वी नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदान के महत्व और %वोट हमारा अधिकार और जिम्मेदारी% का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में मंडलायुक्त ने सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को निष्पक्ष, निर्भीक और अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुश्री शक्ति दुबे, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती संगीता गौतम, एसडीएम सदर, डीआईओएस, बीएसए सहित शिक्षा जगत व प्रशासनिक अमले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

योग परिवार ने सौरभ गुप्ता को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । योग परिवार संगठन की ओर से योग सत्र के उपरांत योगशाला में सौरभ गुप्ता को संगठन के प्रति समर्पण, लगन और उत्कृष्ट कार्य के लिए अभिनंदित कर स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर योग परिवार संगठन के सदस्यों ने कहा कि सौरभ गुप्ता संगठन के कार्यों के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं। वह तन, मन और धन से योग परिवार के साथ जुड़े हुए हैं तथा सभी योग साधकों का निस्वार्थ भाव से सहयोग करते हैं। संगठन के प्रति उनके निरंतर योगदान और अपने दायित्वों के प्रति सक्रियता को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। योग परिवार की ओर से उनके जन्मदिवस के उपरांत उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उपहार भी भेंट किए गए। इस दौरान योग साधकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की।

राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- अक्टूबर माह की पहली तारीख गुरुवार, 1 अक्टूबर को आज कलेक्ट्रेट परिसर, विदिशा में राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के सामूहिक गायन का आयोजन हुआ। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराम, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक गायन में सहभागिता की। प्रत्येक माह की पहली तारीख को शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गान का सामूहिक गायन किया जाता है। इसके उपरांत नियमित शासकीय कार्यों का संचालन प्रारंभ होता है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी, संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, सुश्री निकिता तिवारी, विदिशा एसडीएम श्री मनीष जैन, डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

भाकियू अराजनैतिक बैठक में किसानों ने लगाई समस्याओं की झड़ी, कई पदाधिकारी चयनित सौंपी जिम्मेदारी

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक द्वारा ग्राम धमावली में संगठन विस्तार एवं किसानों की समस्याओं को लेकर किशनपाल सिंह के आवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामवासियों ने गांव की विभिन्न समस्याओं से संगठन के पदाधिकारियों को अवगत कराया।

कि गांव में पिछले एक वर्ष से सफाई कर्मी की तैनाती नहीं होने से सफाई ठप है। मीना समाज के लोगों के निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र बनाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण धान की फसल को काफी नुकसान हुआ है। इसका तत्काल सर्वे एवं जांच कराकर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए। किसान श्यामवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2021 में उनके नाम से नलकूप का बिजली कनेक्शन कराया गया था, लेकिन आज तक कनेक्शन से संबंधित पूरा सामान उपलब्ध नहीं कराया गया है तथा ट्रांसफार्मर भी नहीं मिला है। इसके बावजूद किसान के नाम 71,605 का बिजली बिल भेज दिया गया है। किसान ने इस मामले की जांच कराकर अधूरे कनेक्शन की समस्या का समाधान कराने तथा गलत बिल को नियमानुसार संशोधित कराने की मांग की।

बैठक में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। किशनपाल मीना को ब्लॉक महासचिव, श्यामवीर सिंह को ग्राम अध्यक्ष, एवरान सिंह को ग्राम उपाध्यक्ष, अजयपाल को ब्लॉक सचिव, प्रेमपाल मीना को ग्राम महासचिव तथा प्रशांत राघव को ग्राम अध्यक्ष जरगांव की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में प्रदेश सचिव उदयपाल सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सूरज सिंह, युवा जिलाध्यक्ष अंकुर चौधरी, जिला सचिव गंभीर सिंह, जिला सचिव राजवीर सिंह, तहसील अध्यक्ष विक्की चौधरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेश सिंह, मीडिया प्रभारी मनोज यादव, युवा नगर अध्यक्ष अंकुश चौधरी एवं युवा जिला सचिव सतेंद्र सहित संगठन के पदाधिकारी एवं ग्रामीण रहे। बैठक की अध्यक्षता लटूरी सिंह और संचालन ब्लॉक अध्यक्ष मनवीर सिंह ने किया।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
02 October 2026

बहराइच में खाकी पर गंभीर दाग! बाल कटाई का मेहनताना मांगना पड़ा भारी, चौकी प्रभारी पर लाठियों से पीटने का आरोप

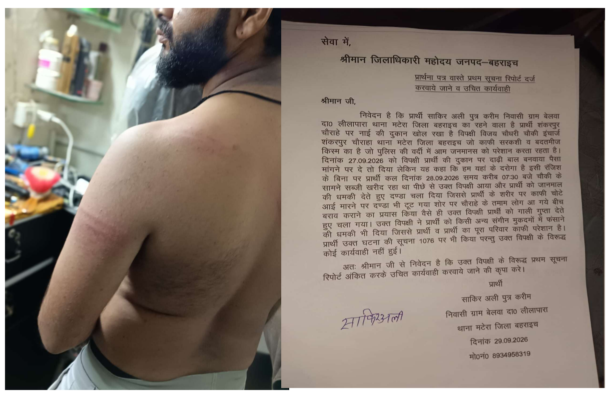

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह / उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच से एक ऐसा मामला सामने आया है, जो खाकी की कार्यशैली और आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पूरा मामला थाना मटेरा क्षेत्र के शंकरपुर चौराहा पुलिस चौकी का है, जहां एक गरीब व्यक्ति ने चौकी प्रभारी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित काफी गरीब है और बाल कटाई का काम करके अपने परिवार का खर्च चलाता है। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने बाल कटाई का मेहनताना मांगा तो उसे कथित तौर पर अभद्रता और गाली-गलौज का सामना करना पड़ा।

लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। पीड़ित के अनुसार अगले दिन सब्जी विक्रेता के साथ मामूली कहासुनी हुई जिसके बाद चौकी प्रभारी पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर पीड़ित को लाठियों से जमकर पीटा। पीड़ित ने शरीर पर लाठी-डंडों से चोट के निशान होने का दावा किया है।

अब सवाल यह है कि जो गरीब व्यक्ति बाल काटकर अपने घर का खर्च चलाता है, अगर उसे अपनी मेहनत का पैसा मांगना भी भारी पड़ जाए, तो वह न्याय के लिए कहां जाए? पीड़ित ने न्याय के लिए बहराइच के पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है।

सवाल यह भी उठ रहा है कि पुलिस अधीक्षक की साफ-सुथरी छवि के बीच शंकरपुर चौराहा पुलिस चौकी प्रभारी पर लगे ऐसे गंभीर आरोप क्या पुलिस की छवि को धूमिल नहीं कर रही? दरोगा जी की तनख्वाह 60 से 70 हजार रुपये के आसपास होगी-क्या उससे उनके घर का खर्च नहीं चलता? फिर एक गरीब व्यक्ति की बाल कटाई की मेहनत की कमाई को लेकर इतना बड़ा विवाद क्यों? आखिर सवाल गंभीर है-कानून का राज चलेगा या वर्दी का रौब? अब देखना यह होगा कि इस मामले में उच्चाधिकारी क्या संज्ञान लेते हैं। क्या मेडिकल रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच होगी? पीड़ित के आरोपों की सच्चाई क्या है, यह जांच के बाद ही साफ हो पाएगा।

घर में घुसकर चोरी के बाद अब खाकी दे रही धमकी, पीड़ित महिला का आरोप- दीवान ने गालियां दीं और कहा केस लिया तो भेज दूंगा जेल

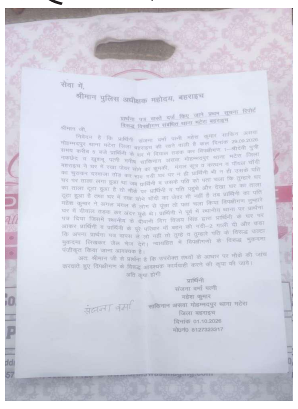

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह / बहराइच- उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने पड़ोसियों पर घर में दीवार फांदकर घुसने, चोरी करने और स्थानीय पुलिस की सह पर धमकी देने का बेहद गंभीर आरोप लगाया है।

बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत असवा मोहम्मदपुर गांव की रहने वाली संजना वर्मा (पत्नी महेश कुमार) ने इस मामले में सीधे पुलिस अधीक्षक बहराइच को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

आवेदन पत्र के अनुसार, घटना 29 सितंबर 2026 की शाम करीब 5ः00 बजे की है। पीड़िता का आरोप है कि गांव के ही विपक्षीगण श्रीदेवी (पुत्री नकछेद) और खुशबू (पत्नी मनीष) उनके घर की दीवार लांघकर अंदर घुस आए। उस समय संजना और उनके पति घर पर नहीं थे और दरवाजे पर ताला लटका हुआ था। आरोप है कि विपक्षियों ने घर में रखे सोने के झुमके, मांग टीका, मंगलसूत्र और चांदी की पायल जैसी कीमती चीजें चुरा लीं और दरवाजे का ताला तोड़कर फरार हो गए। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय विपक्षियों का साथ दे रही है। संजना वर्मा ने बताया कि जब उन्होंने पहले स्थानीय थाने में इस घटना की लिखित शिकायत दी, तो थाने के दीवान विजय सिंह ने उनके घर आकर उन्हें और उनके पूरे परिवार को मां-बहन की बेहद गंदी-गंदी गालियां दीं। पीड़िता का आरोप है कि दीवान विजय सिंह ने उन्हें डराया-धमकाया और कहा कि अपना प्रार्थना पत्र वापस ले लो, नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे पति के खिलाफ ही उल्टा मुकदमा लिखकर जेल भेज देंगे। स्थानीय पुलिस के इस कथित दमनकारी और संवेदनहीन रवैये से तंग आकर पीड़िता ने आखिरकार बहराइच के पुलिस अधीक्षक की चौखट पर दस्तक दी है। संजना वर्मा ने एसपी से गुहार लगाई है कि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर मौके की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी विपक्षियों व पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा पंजीकृत किया जाए।

पीएम श्री स्कूल महूली में एक साल से पेयजल संकट, बच्चे परेशान स्कूल में पानी नहीं, शौचालय का उपयोग भी प्रभावित; स्कूल परिसर में बोरवेल की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दुर अंचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत महूली स्थित पीएम श्री प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में करीब एक साल से पेयजल की समस्या बनी हुई है।]

स्कूल परिसर में पानी की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चों को दूर जाकर पानी पीना पड़ता है। वहीं पानी के अभाव में शौचालय का उपयोग भी नहीं हो पा रहा है। स्कूल से कुछ दूरी पर आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे सोलर ड्यूल पंप लगा हुआ है। इस पंप से स्कूल तक पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचाने के कई बार प्रयास किए गए, लेकिन पाइप बार-बार टूट जाने के कारण व्यवस्था सफल नहीं हो सकी। बताया गया कि पंप से ग्रामीण भी पानी लेते हैं और वहां पानी की उपलब्धता भी सीमित है। बार-बार मरम्मत एवं व्यवस्था पर राशि खर्च होने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता- पानी और शौचालय की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चों को शौच के लिए स्कूल परिसर से दूर जंगल की ओर जाना पड़ता है। महूली क्षेत्र गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व क्षेत्र से लगा हुआ है, जहां जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में बच्चों के सामने जहरीले कीड़े-मकोड़ों अथवा जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। अभिभावकों और ग्रामीणों ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल परिसर में ही स्थायी पेयजल व्यवस्था की मांग की है। कलेक्टर के जनदर्शन में दिया आवेदन- इस समस्या को लेकर पीएम श्री स्कूल समिति के अध्यक्ष रामचंद्र जायसवाल (पप्पू) ने सूरजपुर कलेक्टर के जनदर्शन में लिखित आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया है। आवेदन में स्कूल परिसर में तत्काल नया बोरवेल कराकर क्रेडा विभाग के माध्यम से सोलर ड्यूल पंप एवं पानी की टंकी लगाने की मांग की गई है, ताकि बच्चों को स्कूल ग्राउंड में ही पर्याप्त एवं स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके और शौचालयों का उपयोग भी शुरू हो सके। बीईओ बोले- जल्द होगी पानी की व्यवस्था- इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ओड़गी मोतीलाल राजवाड़े ने बताया कि स्कूल में पेयजल समस्या की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई है। आंगनबाड़ी केंद्र के पीछे लगे सोलर ड्यूल पंप में पानी की कमी है और ग्रामीण भी उसका उपयोग करते हैं। स्कूल तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने के कई प्रयास किए गए, लेकिन पाइप बार-बार टूटने के कारण व्यवस्था नहीं बन पाई। उन्होंने कहा कि जल्द ही स्कूल में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

जालौन में घर-घर पहुंचेगा 'दस्तक' का संदेश, संचारी रोगों के खिलाफ छिड़ा जनजागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / जनप्रतिनिधियों समेत डीएम ने रैली को दिखाई हरी झंडी, स्वच्छता और समय पर उपचार के लिए किया जागरूक विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तृतीय चरण का शुभारम्भ गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर से किया गया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी, एवं जिलाधिकारी समीर ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों को संचारी रोग नियंत्रण की शपथ दिलाकर की। जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अपने आसपास साफ-सफाई रखना और जलभराव रोकना बेहद जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार से बचाव के लिए चलाए जा रहे जनजागरूकता एवं दस्तक अभियान में स्थानीय एएनएम तथा आशा कार्यकत्रियों का सहयोग करें और उनके द्वारा दी जा रही जानकारी को परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाएं।

जिलाधिकारी समीर ने कहा कि अभियान की सफलता जनसहभागिता पर निर्भर करती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि घरों के आसपास साफ-सफाई रखें, गंदा पानी जमा न होने दें और मच्छरों के पनपने के संभावित स्थानों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को बुखार अथवा बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो उसे तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाकर चिकित्सकीय जांच एवं उपचार कराया जाए। समय पर उपचार से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डॉ. जे.जे. राम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. एस.के. पाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका जिला महिला चिकित्सालय डॉ. वीरेन्द्र सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (वेक्टरवॉर्न) डॉ. ए.पी. वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविन्द भूषण, जिला कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. उमेश कुमार उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चन्द्रशेखर जिला मलेरिया अधिकारी, डॉ. नरेश कुमार वर्मा चेयरमैन भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, ममता स्वर्णकार कोषाध्यक्ष, लक्ष्मणदास बवान, अलीम सर सहित रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा का जनपद में हुआ सफलतापूर्वक आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत-2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही सेवा यात्रा बुधवार को पहुंचकर गुरुवार को जनपद से रवाना हो गई। जनपद में प्रवेश से करने से लेकर यात्रा के गुज़रने तक विभिन्न स्थानों पर यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जनपद में वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा के स्वागत एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए विभिन्न स्थानों पर व्यवस्थाएं की गई थीं। जिलाधिकारी अवनीश राय द्वारा यात्रा के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन तथा जिला विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया था। दोनों नोडल अधिकारियों की देखरेख में यात्रा से संबंधित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर यात्रा को सकुशल जनपद शाहजहांपुर के लिए रवाना किया गया। सेवायात्रियों का पुष्पवर्षा एवं स्वागत-अभिनंदन कर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा काल की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही लोगों को विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ने का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान, चौपाल, वृक्षारोपण एवं जनसंवाद सहित विभिन्न जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साह के साथ सहभागिता की। दूसरी यात्रा 30 सितम्बर को सांय उझानी से होते हुए बदायूँ पहुंची थी, यहां यात्रा ने बदायूँ स्थित होटल क्लब रिवेरा में रात्रि विश्राम किया। शुक्रवार को केशव चौक, बदायूँ में यात्रा का स्वागत हुआ। जगत ब्लॉक इस्लामगंज में पंचायत भवन में चौपाल कार्यक्रम के पश्चात अलापुर, म्याऊँ, नवीगंज तथा हजरतपुर में यात्रा का स्वागत कार्यक्रम हुआ। यात्रा के दौरान जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व शेखूपुर विधायक धर्मेन्द्र शाक्य, रुट नम्बर 07 के प्रदेश संयोजक हर्षवर्धन सिंह, यात्रा जिला संयाजक केशव चौहान, युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दिग्गज गुप्ता, युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, सहदेव सागर, अक्षय पाठक आदि सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोवंशों की मृत्यु पर पशुधन मंत्री ने जताई नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में लगातार हुई बारिश के दौरान 34 गोवंशों की मृत्यु की घटना को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास तथा राजनैतिक पेंशन विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को म्याऊं ब्लॉक के अभिगांव तथा सालारपुर ब्लॉक के ब्यौर गोवंश आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने घटना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, जिला विकास अधिकारी मनोज कुमार तथा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. प्रेम कोहली सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पशुधन मंत्री ने गौ आश्रय स्थलों में गोवंशों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वर्तमान में हरा चारा सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त मिलीं। उन्होंने ग्रामीणों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार तीन दिन हुई बारिश के दौरान पर्याप्त शेड उपलब्ध न होने के कारण गोवंश भीगते रहे। आश्रय स्थल ढलान पर होने के कारण बारिश का पानी भी भर गया, जिससे गोवंश पानी में डूबे रहे। लगातार भीगने के कारण गोवंशों को ठंड लग गई और उनकी मृत्यु हो गई।

संक्षिप्त समाचार

16 साल की नाबालिग बेटी लापता, पीड़ित पिता का आरोप- रोते हुए गुहार लगाई तो थाना प्रभारी ने थाने से भगाया

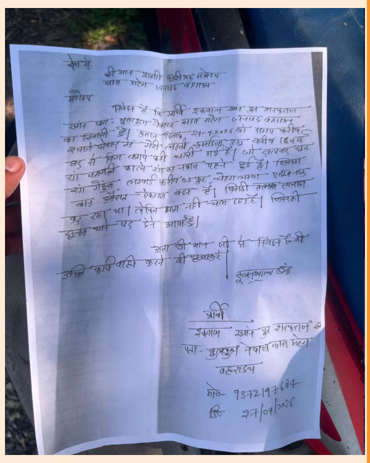

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह / उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां एक पीड़ित पिता अपनी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी को तलाशने के लिए पुलिस के चक्कर काटने को मजबूर है। बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुलबुल नवाज गांव के रहने वाले पीड़ित पिता इकबाल खान ने स्थानीय पुलिस प्रशासन पर बेहद गंभीर और संवेदनहीन व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि उनकी नाबालिग बेटी 27 सितंबर 2026 की दोपहर से लापता है, लेकिन पुलिस इस मामले में लगातार लापरवाही बरत रही है। पीड़ित पिता ने रोते हुए मटेरा थाना प्रभारी पर बेहद संगीन आरोप लगाया है कि जब वह अपनी शिकायत लेकर गए, तो न्याय देने के बजाय उन्हें थाने से डांटकर भगा दिया गया। बदहवास परिवार का आरोप है कि पुलिस उनकी नाबालिग बेटी को ढूंढने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। हालांकि, भारी दबाव के बाद अब पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू करने का दावा कर रही है, लेकिन पीड़ित परिवार पुलिस की इस ढीली कार्रवाई से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं है। पीड़ित परिवार ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि मटेरा थाना पुलिस की कार्यशैली की जांच की जाए और उनकी मासूम बेटी को जल्द से जल्द सकुशल बरामद किया जाए।

पाक्सो अधिनियम के प्रति छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के निर्देशानुपालन में गांधी जयंती के अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों में पाक्सो अधिनियम-2012 के प्रावधानों एवं कानूनी परिणामों के संबंध में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का प्रथम चरण 25

सितम्बर से 01 अक्टूबर तथा द्वितीय चरण 02 अक्टूबर तक निर्धारित है। इसी प्रकार राजकीय इंटर कॉलेज गुरगांव में श्री सुरेंद्र पाल सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट, नकविया कन्या इंटर कॉलेज में श्रीमती सुमन तिवारी, सिविल जज (सी.डि.), विज्ञानन्द रामनारायण वैदिक इंटर कॉलेज में श्री पुष्पेंद्र चौधरी, प्रथम अपर सिविल जज (सी.डि.), सालिगराम ग्रामसभा उच्च माध्यमिक विद्यालय करौलिया में सुश्री निदा जैदी, सिविल जज (जू.डि.), राजकीय हाईस्कूल उपरैला में श्री सागर तायल, न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या-1, सेठ छदम्मी लाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में श्रीमती सत्या चौधरी, अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यायालय संख्या-3 तथा लाला राधेश्याम पोरवाल मेमोरियल उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुँवरगांव में सुश्री जयेती चन्द्रा, प्रथम अपर सिविल जज (सी.डि.) द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री अंकित रस्तोगी ने वृद्धाश्रम के संचालनकर्ता से जानकारी प्राप्त करने के साथ ही वृद्धजनों से व्यक्तिगत रूप से वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्रम में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था, मच्छरों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग तथा पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रमों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय के कर्मचारी, पराविधिक स्वयंसेवक तथा संबंधित विद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Food Ideas: What to include in your lunch box every day? Try these 5 easy ideas from Monday to Friday.

Preparing a five-day lunch plan can make things much easier. You don't need to buy a lot of different ingredients. A few easily available items can create a variety of lunches. Preparing your children's lunch every morning is a challenge for many parents. Preparing breakfast, getting them ready for school, and then figuring out what to include in their lunch box. Serving the same paratha or sandwich every day can bore children, and the lunch ends up back home. Therefore, you need a lunch idea that is tasty, quick to prepare, and enjoyable for your children. If you find yourself facing this dilemma every morning, planning a five-day lunch box in advance can make things much easier. You don't need to buy a lot of different ingredients. A variety of tiffins can be prepared with a few easily available ingredients at home. Simple ingredients like paneer, potatoes, poha, semolina, and roti can be used to create different tiffins for children from Monday to Friday. These dishes can be adjusted according to the child's age, preferences, and needs. Monday: Veg Paneer Rolls - Start the week with a tiffin that children can easily eat. For this, you can make rolls by filling roti or paratha with paneer, finely chopped vegetables, and mild spices. Cut the rolls into small pieces and place them in the tiffin. You can also include a favorite fruit. Tip: To save time in the morning, cut the paneer and vegetables the night before and store them in the refrigerator. Tuesday: Veg Poha - Poha is a quick and easy breakfast that can also be prepared for tiffin. Add carrots, peas, corn, or other vegetables of your child's choice. If your child likes peanuts, you can add a few peanuts. However, for younger children, choose ingredients based on their age and eating capacity. Wednesday: Semolina Vegetable Cheela - A semolina-based cheela can be a good lunch option. Prepare the batter by mixing semolina with yogurt, water, and finely chopped vegetables. Make the cheela into small pieces so your child can easily eat it. A light homemade chutney or yogurt can be served alongside, if the school allows it. Thursday: Potato or Paneer Paratha Roll - If children love parathas, offer them in a slightly different style. A potato or paneer paratha can be made into a roll by adding yogurt or light vegetables. Pack the roll properly in foil or food-safe wrapping to prevent it from spilling over. Friday: Veg Sandwich - To keep your lunch easy on the last day of the week, make a veggie sandwich. Cucumber, tomato, cheese, corn, or other favorite fillings can be placed on the bread. Cutting the sandwich into small triangles or bite-sized pieces can make it easier for your child to eat. Keep these things in mind while packing tiffin - Variety is not only important in children's tiffin, but also taste. Try to include food items like grains, protein sources, vegetables and fruits on different days. Pack highly spicy or spoilt food items keeping in mind the weather and school timings. While packing hot food, it is better to cool it a little as per requirement and keep it in a food safe container. Most importantly, understand the child's preferences. If the child does not like a dish, then instead of giving it to him again and again in the tiffin, try including the same ingredient in a different way.

Important to know: Eye infections can worsen your problems. How to know if you have an infection?

Eye infections can often be caused by simple conjunctivitis, but in some cases, the cornea can also be affected. Infections like keratitis can be serious. If you experience severe pain, difficulty with light, or blurred vision, you should immediately consult a doctor. Eye infections are very common, affecting people of all ages, from children to the elderly. Infections can cause redness, watering, itching, or discharge. Conjunctivitis is generally considered the most common cause of eye infections. While infections typically resolve on their own, the severity of eye infections is not always the same. Some types of infections can damage the eye deeply, reaching the cornea, the transparent layer on the front of the eye. This risk is particularly high in contact lens wearers, and this problem is more common during the summer and rainy season. If you're also suffering from this problem, let's explore how risky it can be and what to do in such a situation. Health experts say that serious eye infections can cause pain, light-related problems, and blurred vision. Therefore, if your eyes remain red for a long time, it's important to consult a doctor promptly rather than simply trying home remedies. If the infection isn't addressed promptly, it can affect vision. This is why timely diagnosis and treatment are essential. Conjunctivitis is the most common problem. Conjunctivitis causes inflammation of the thin membrane covering the white part of the eye and the inner surface of the eyelids. It can be caused by both viral and bacterial infections. Conjunctivitis can cause redness, watery eyes, sticky discharge, and irritation. Viral and bacterial conjunctivitis can spread from one person to another, so people living with you should also be cautious. Keratitis: The cornea is the transparent layer on the front of the eye. Infection is called keratitis. Improper use of contact lenses can increase the risk of this condition. Along with redness, it can cause pain, light irritation, watery eyes, and sudden blurred vision. If severe, microbial keratitis can cause permanent vision damage. Doctors say that some serious infections can damage the cornea and cause problems like sores or ulcers. Contact lens users should exercise extreme caution. This can cause severe pain, redness, and vision loss. In case of such symptoms, an eye specialist should be examined immediately. Not every redness or itching in the eyes is caused by an infection. Sometimes, pollen, dust, certain cosmetics, and other allergens can also cause redness and watery eyes. Allergic conjunctivitis is not contagious. Therefore, it is important to find out the exact cause. When to be cautious: Doctors say, if you experience severe eye pain, light intolerance, blurred vision, or excessive redness, be cautious. If contact lens wearers experience these symptoms, they should immediately consult a doctor. The exact cause of the infection and the affected area of ??the eye become clear only after examination. Timely treatment can prevent serious problems.

Breast Cancer: How Reliable Are Cancer Detection Tests? The Truth Revealed

Mammography is a crucial test for early detection of breast cancer, but there has been debate about overdiagnosis of some of the rare conditions it detects. New research has found this risk estimate to be significantly lower than previous estimates. This has renewed the discussion about understanding breast cancer screening. Breast cancer is one of the most common types of cancer in women, causing millions of deaths each year. According to the World Health Organization, more than 2.4 million new cases of this cancer are diagnosed each year, and more than 694,000 women die. Early detection significantly increases the chances of treatment and cure. In a report published in Amar Ujala, we explained that a lump may not always be felt in breast cancer; cancer can occur even in the absence of a lump. Regarding breast cancer screening, it has been believed that the earlier the disease is detected, the better. Mammography is used to detect this cancer. Mammography can reveal changes in the breast that may be difficult to detect with manual examination alone. This report may change your thinking about cancer screening. Another ongoing debate in the world of cancer screening is whether every abnormal cell or tumor detected by a test will lead to a dangerous disease in the future. This is where the discussion of overdiagnosis begins. Now, an important study has brought this issue back into the spotlight with new data. The researchers' findings differ significantly from previous estimates. What does the new study reveal, and what does it mean for women? The risk of overdiagnosis of cancer due to mammography is less than 5%. Research has revealed that the risk of overdiagnosis of cancer due to mammography has significantly reduced from previous estimates of 30 to 50% to just 5%. Breast cancer screening through mammography also has the potential to detect cancers that may never cause symptoms or serious illness in a woman's lifetime. This is called overdiagnosis. A study from the University of Southern Denmark, published in the prestigious Journal of the National Cancer Institute, involved researchers reanalyzing eight major past cases related to mammography. They compared the data from these studies with data from a routine breast-cancer screening program in the Funen region of Denmark. Screening began at different times in different regions of Denmark. This allowed them to observe the initial increase in cancer cases after screening began and subsequent changes. An increase in cancer cases does not always indicate overdiagnosis. According to the research, an increase in cancer cases after screening begins does not necessarily indicate overdiagnosis. Many cancers are detected even after a few years without screening. If follow-up ends early, these cancers may be mistakenly considered overdiagnosed.

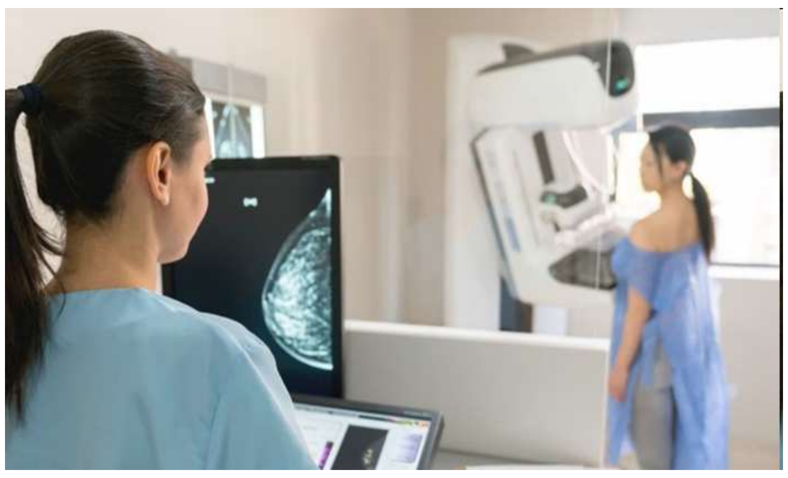

"You're Manoj Tiwari's daughter...not Dolly Bindra's," Salman reprimanded Reeti; why did Qazi and Uditi cry?

In the new episode of "Bigg Boss 20," "Weekend Ka Vaar," Salman Khan took almost all the contestants to task. Find out what was special during this time. This week's "Weekend Ka Vaar" was quite special for "Bigg Boss 20" viewers. The various tasks this week also revealed the rivalry between the housemates. Show host Salman Khan gave his reaction to all these issues today. Asked Eisha the reason for her eviction: When the Weekend Ka Vaar began, Salman first showed all the contestants a mirror. He said that you people can't see anything even when everything is in front of you in the house. This is not a blurring of the eyes, but a blurring of the mind. He hinted that the reason for Eisha's eviction was her best friend Kanika because Kanika did not vote to save her. Showed the mirror to Young: Asked Young about her priority list. He named six people closest to him as his family: Scout, Aasif, Luv Gill, Amrapali, Mary Kom, and Ritu Tiwari. Salman then told Young that he prioritized these people, but none of them prioritized him and voted for his eviction. Why did Qazi cry? Salman then brought up last Weekend Ka Vaar, when all the housemates had attacked Qazi over his prank. "I told you guys about Bhaijaan's prank because what he was doing was wrong for you guys. He had already told the audience outside. He was just entertaining them. After I told you he was pranking, you all got really angry at Qazi. However, I commend Qazi for handling the entire situation with utmost respect, and I only revealed the secret of his prank because I knew he would handle it well." He's already dealt with a lot in his life. Even after winning a major show, he didn't get any work for 20 years, and he handled that well. Hearing this from Salman, Qazi cried. Now it was the turn of Riti Tiwari, who had abused Qazi and Uditi during last week's Diss Battle. Salman told her, "There are many people here whose fathers are nothing, yet they are still making a name for themselves. My father is a writer himself. He had his own struggle, mine was different. Sunny Deol, Bobby Deol, Hrithik Roshan, and Ajay Devgan are some of the many who came from famous families and made a name for themselves. There are also many who got their first film on the strength of their fathers but couldn't move forward. Riti, your actions shouldn't affect your father's life." Why did Salman mention Dolly Bindra? Salman further told Reeti, "Qazi won a show 20 years ago, that too against Arijit Singh. And Reeti, no one knew you before 'Bigg Boss.' And yet, you're saying on the show that you're a great singer and producer. How can you compare yourself to Qazi? Worse, how can you praise yourself? You're telling Qazi that no one knows Qazi's father. Hey, look at yourself, what are you doing? You're Manoj Tiwari's daughter, not Dolly Bindra's." Scout, Asif, and Amrapali were also reprimanded. Salman then reprimanded Scout, Asif, Young, and Amrapali. He said that he supported Reeti throughout the entire dish battle. If someone from his family had been there in place of Reeti or Uditi, would he have allowed the task to continue? Salman also reprimanded Gullu, who was the task's conductor and the house captain. Salman said, "Gullu, you're amazing, making Youngy's team the winner of the Diss Battle? If you wanted, you could have disqualified this round. But no one supported the right side during this entire task." Finally, Salman praised Uditi's behavior. He said, "The way you handled this with dignity is commendable. It was only Qazi who fought for you." Hearing Salman's praise, Uditi also started crying. Reeti apologized to everyone. This was seen at the end of Weekend Ka Vaar... Reeti apologized to Uditi, Qazi, all the housemates, Salman, and the nationwide audience for her behavior. Salman made Youngy realize that he was a misfit in the group and was losing his positivity. At the end of the show, Mahi also came to console Youngy, hugged him, and advised him to stay away from any negativity. Salman also reprimanded Amrapali for supporting Reeti's actions, causing her to break down in tears. When Salman asked everyone in the house how many people think Reeti is a rockstar, no one raised their hand.

Is this pain or a conspiracy? Without naming her, Komal Rani accused Sunita of trying to kill her husband.

Govinda's name is being linked to Komal Rani Swarnkar, his co-star in his upcoming film "Roopa." Govinda recently expressed his anger over the affair rumors. Now, Komal Rani has broken her silence. Govinda has been in the news constantly for his personal life. His name is being linked to Komal Rani Swarnkar. Govinda's wife, Sunita, has also accused the actor of having an extramarital affair. Yesterday, Govinda and Komal Rani visited the Lal Bagh Raja temple, further fueling rumors of their dating. Amid rumors of an affair, Rani Swarnkar has shared a cryptic post on social media. Did Komal Rani take aim at Sunita Ahuja? Govinda recently expressed his displeasure in an interview over being linked to Komal Rani, calling it a conspiracy to tarnish his image in society. Now, Komal Rani has shared a cryptic post. In this, she indirectly appears to be targeting Govinda's wife. Komal wrote, "No one is affected by the curses of such women." Komal Rani shared a note on her Instagram story on Saturday. In it, she writes, "No one is affected by the curses of women who have been trying to kill their own husband for years. No one can break a home that is already broken. The people of our country are not so stupid that if someone says, 'A crow took your ear,' they will start running after the crow." Asked, "Is this really pain?" Komal further wrote, "I don't understand the kind of pain a woman is going through, where instead of trying to heal it, she enjoys displaying it for everyone to see. Is this really pain or a deliberate conspiracy?" Constantly mentally harassing a man, preventing him from working, forcing him to stay at home and waste away, completely isolating him and pushing him to the brink of death. I don't believe any good and devoted wife could treat her husband so badly. Advised: "Stop using my name." Komal further wrote in her post, "Are such women mentally ill? Or are they simply overly cunning, knowing full well that what they couldn't do behind closed doors, they can do by coming out in public and gaining public sympathy? Stop using my name for your agenda. May God protect every good man from such cunning women." Komal didn't name anyone in her post. However, amid speculation about her affair with Govinda, her cryptic post is being linked to the actor's wife, Sunita Ahuja.

Rise and Fall 2: A fierce battle erupted on Sehwag's show on its first day, did celebrities choose friendship or enmity for money?

"Rise and Fall" Season 2 has already begun. In the first episode, 15 celebrity contestants were presented with a game that required them to choose between money, friendship, and staying on the show. "Rise and Fall" is hosted by former cricketer Virender Sehwag. In the first game, contestants were given three different starting amounts: one had ?400,000, another ?3.500,000, and another just ?75,000. The rules of the game stipulated that two contestants could combine their money to overpower a third contestant. After this, both would have the opportunity to move into the penthouse, while the third contestant would be relegated to the basement. Karan Patel, Niharika Tiwari, and Sivet Tomar faced off in the first round. Karan had 75,000 rupees, while Niharika had 4 lakh rupees and Sivet had 3.5 lakh rupees. Both tried to get Karan to join them. Eventually, Karan joined hands with Sivet, and Niharika had to go to the basement. Shehzad Poonawala, Manish Kashyap, and Raj Grover - Next came the turn of Shehzad Poonawala, Manish Kashyap, and Raj Grover. Shehzad had 4 lakh rupees, Manish had 3.5 lakh rupees, and Raj had 75,000 rupees. Shehzad and Manish decided to pool their money and went to the penthouse, while Raj had to go to the basement. Gautam Gulati, Priyanka Chahar Chaudhary, and Kaira - In the next round, Gautam Gulati, Priyanka Chahar Chaudhary, and Kaira Anu faced each other. Priyanka had 4 lakh rupees, Gautam had 3.5 lakh rupees, and Kaira had 75,000 rupees. Gautam and Priyanka decided to join forces, and Kaira was sent to the basement. Swara Bhaskar, Kajal Raghwani, and Anish Bhagat - Swara Bhaskar, Kajal Raghwani, and Anish Bhagat then entered the prize-pool game. Swara had ?400,000, Kajal ?3.500,000, and Anish ?75,000. Swara and Kajal decided to join forces and both reached the penthouse. Anish had to go to the basement. Irina Rudakova, Sara Gurpal, and Tej Pratap Yadav - The final round of the game was played between Irina Rudakova, Sara Gurpal, and Tej Pratap Yadav. Tej Pratap had ?400,000, Sara ?3.500, and Irina ?75,000. Finally, Tej Pratap and Irina decided to join forces and both reached the penthouse. Meanwhile, Sara had to go to the basement. These contestants became Power Rulers - After the end of the first game, Karan Patel, Sivet Tomar, Shahzad Poonawala, Manish Kashyap, Gautam Gulati, Priyanka Chahar Chaudhary, Swara Bhaskar, Kajal Raghwani, Tej Pratap Yadav and Irina Rudakova became Power Rulers.